सांध्य दैनिक

भारत मत

Web- www.bharatmatepaper.com

■ ग्वालियर ■ झांसी ■ भोपाल से एक साथ प्रकाशित

झांसी, रविवार 22 दिसंबर 2024 पौष कृष्णपक्ष-7, संवत 2081, वर्ष-10 अंक-130 कुल पृष्ठ-8

मूल्य₹ 2.00

Email- editorbharatmat@gmail.com

मौसम

	ग्वालियर	भोपाल
अधि.	25.0	24.0
न्यून.	10.0	14.0

सिनेमा@पेज-07

सरकार जानकारी छिपाना चाहती है, केंद्र ने कहा था- सीसीटीवी फुटेज सार्वजनिक नहीं होगी

खड़गे बोले- चुनाव नियमों में बदलाव इलेक्शन कमीशन पर हमला

नई दिल्ली, एजेंसी

वोटिंग नियमों में बदलाव को लेकर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि मोदी सरकार ने चुनाव आयोग (ECI) की स्वतंत्रता पर हमला किया है। रविवार सुबह X पर पोस्ट में उन्होंने कहा- पहले मोदी सरकार ने CJI को चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति करने वाले पैनल से हटा दिया था और अब वे चुनावी जानकारी को जनता से छिपाना चाह रहे हैं। जब भी कांग्रेस ने इलेक्शन कमीशन को वोटर लिस्ट से नाम हटाए जाने और EVM में ट्रांसपेरेंसी के बारे में लिखा, तो ECI ने अपमानजनक लहजे में जवाब दिया और हमारी शिकायतों को भी स्वीकार नहीं किया। दरअसल, केंद्र सरकार ने 20 दिसंबर को पोलिंग स्टेशन के CCTV, वेबकास्टिंग फुटेज और उम्मीदवारों की वीडियो रिकॉर्डिंग जैसे कुछ इलेक्ट्रॉनिक डॉक्यूमेंट्स को पब्लिक करने से रोकने के लिए चुनाव नियमों में बदलाव किया था। अधिकारियों ने बताया कि AI के इस्तेमाल से पोलिंग स्टेशन के CCTV फुटेज से छेड़छाड़ करके फेक नरेटिव फैलाया जा सकता है। बदलाव के बाद भी ये कैंडिडेट्स के लिए उपलब्ध रहेंगे। अन्य लोग इसे लेने के लिए कोर्ट जा सकते हैं।

पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट के फैसले की वजह से बदला नियम

- इसी साल जनवरी में चडीगढ़ मेयर इलेक्शन के दौरान चुनाव अधिकारी अनिल मसीह के बैलट पेपर से छेड़छाड़ करने के CCTV फुटेज सामने आए थे।
- इसी साल जनवरी में चडीगढ़ मेयर इलेक्शन के दौरान चुनाव अधिकारी अनिल मसीह के बैलट पेपर से छेड़छाड़ करने के CCTV फुटेज सामने आए थे।
- चुनाव आयोग (EC) की सिफारिश पर कानून मंत्रालय ने 20 दिसंबर को द कंडक्ट ऑफ इलेक्शन रूल- 1961 के नियम 93(2) में बदलाव किया है। नियम 93 कहता है- चुनाव से जुड़े सभी दस्तावेज पब्लिकली उपलब्ध रहेंगे। इसे बदलकर चुनाव से जुड़े सभी दस्तावेज नियमानुसार पब्लिकली उपलब्ध रहेंगे।
- पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट ने एक केस में हरियाणा विधानसभा चुनाव से जुड़े दस्तावेज याचिकाकर्ता से साझा करने का निर्देश दिया था। इसमें ष्टष्टञ्जङ्क फुटेज को भी नियम 93(2) के तहत माना गया था। हालांकि, चुनाव आयोग ने कहा था कि इस नियम में इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड शामिल नहीं है। इस अस्पष्टता को दूर करने के लिए नियम में बदलाव किया गया है।
- EC बोला- इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड पब्लिक करने का नियम नहीं श्वष्ट ने बताया कि नामांकन फॉर्म, चुनाव एजेंटों की नियुक्ति, चुनाव रिजल्ट और इलेक्शन अकाउंट स्टेटमेंट जैसे दस्तावेजों का उल्लेख कंडक्ट ऑफ इलेक्शन रूल में किया गया है। आचार संहिता के दौरान उम्मीदवारों के ष्टष्टञ्जङ्क फुटेज, वेबकास्टिंग फुटेज और वीडियो रिकॉर्डिंग जैसे इलेक्ट्रॉनिक दस्तावेज इसके दायरे में नहीं आते हैं।
- EC के एक पूर्व अधिकारी ने बताया कि पोलिंग स्टेशन की CCTV कवरेज और वेबकास्टिंग कंडक्ट ऑफ इलेक्शन रूल के तहत नहीं की जाती, बल्कि यह ट्रांसपेरेंसी के लिए होती है। वहीं, आयोग के एक अधिकारी ने कहा कि ऐसे कई मामले सामने आए हैं, जहां नियमों का हवाला देकर इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड मांगे गए। संशोधन यह सुनिश्चित करता है कि नियमों में बताए गए कागजात ही सार्वजनिक हों। अन्य दस्तावेज जिनका नियमों में जिक्र नहीं है, उसे पब्लिक करने की अनुमति न हो। कांग्रेस बोली- जल्द ही कानूनी चुनौती देंगे नियम में बदलाव के बाद शनिवार को कांग्रेस ने चुनाव आयोग निशाना साधा। कांग्रेस ने आयोग पर चुनावी प्रक्रिया की सत्यनिष्ठा खत्म करने का और पारदर्शिता कमजोर करने का आरोप लगाया।

जयशंकर बोले-

किसी वीटो के चलते भारत अपने फैसले नहीं लेगा

नई दिल्ली, एजेंसी

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शनिवार को कहा कि भारत कभी भी दूसरों को अपनी पसंद पर वीटो करने की अनुमति नहीं दे सकता है। मुंबई के एक कार्यक्रम में उन्होंने वीडियो मैसेज में कहा- भारत अपने राष्ट्रीय हित और वैश्विक भलाई के लिए जो भी सही होगा, उसे बिना डरे करेगा। जयशंकर ने कहा कि भारत वैश्विक स्तर पर जब और गहराई से जुड़ता है, तो उसके परिणाम गहरे होते हैं। उन्होंने यह भी बताया कि भारत की समृद्ध विरासत से दुनिया को बहुत कुछ सीखने को मिल सकता है, लेकिन यह तभी संभव है जब भारतीय अपने पर गर्व करें। हमारी आजादी को न्यूट्रेलिटी से कनफ्यूज न करें। हम वही करेंगे जो राष्ट्र हित में होगा।देश अपनी पहचान खोज रहा- जयशंकर ने कहा कि लंबे समय से हमें प्रगति और को हमारी परंपराओं की अस्वीकृति के रूप में देखने की शिक्षा दी गई। लेकिन अब, जैसे-जैसे लोकतंत्र मजबूत हुआ है, देश अपनी पहचान फिर से खोज रहा है। विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा कि भारत एक असाधारण राष्ट्र है, क्योंकि यह एक सभ्यता वाला देश है। इसकी सांस्कृतिक ताकत को पूरी तरह से इस्तेमाल करने से ही यह वैश्विक स्तर पर प्रभाव डाल सकेगा।

देश के उत्तरी राज्यों में तेज सर्दी का दौर जारी

हमाचल समेत तीन राज्यों में तापमान 0° से नीचेः चंडीगढ़ में पारा 0.8°; यूपी में आज, मप्र में कल बाशि के आसार

नई दिल्ली/भोपाल, एजेंसी

देश के उत्तरी राज्यों में तेज सर्दी का दौर जारी है। जम्मू-कश्मीर, लद्दाख और हिमाचल प्रदेश के कई इलाकों में में तापमान 0 डिग्री के नीचे बना हुआ है। हिमाचल में आज बर्फबारी का भी अलर्ट जारी किया गया है। इससे तापमान में और भी ज्यादा गिरावट हो सकती है। पंजाब-हरियाणा में भी शीतलहर के कारण तापमान में गिरावट दर्ज हुई। चंडीगढ़ में तापमान 0.8 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। वहीं, पंजाब के आदमपुर इलाके में पारा 1.8 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। पंजाब में घना कोहरा भी देखने को मिला। अमृतसर, तरनतारन, बठिंडा, लुधियाना और बरनाला में विजिबिलिटी 100 मीटर दर्ज की गई। बर्फबारी और तेज सर्दी के साथ मौसम विभाग ने कुछ राज्यों में बारिश का भी अलर्ट जारी किया है। उत्तर प्रदेश के 6 जिलों आज बारिश का भी अलर्ट जारी किया गया है। वहीं, मध्य प्रदेश राजस्थान में कल से बारिश होने की संभावना जताई गई है। जम्मू-कश्मीर में आज से चिल्लई कलां की शुरुआत हुई है। चिल्लई फारसी शब्द है, हिंदी में इसका मतलब बहुत ज्यादा ठंड होता है। अब अगले 40 दिन यहां काफी बर्फबारी होगी। मौसम विभाग ने बताया कि चिल्लई कलां शुरू हो चुका है। अनंतनाग, शोपियां, पहलगाम, गुलमर्ग और कश्मीर घाटी के कुछ हिस्सों में पारा माइनस 10 डिग्री के नीचे पहुंच सकता है। जम्मू-कश्मीर सरकार के हायर एजुकेशन डिपार्टमेंट ने शुक्रवार को कॉलेजों की विंटर वैकेशन की घोषणा की। कश्मीर संभाग के सरकारी डिग्री कॉलेज और जम्मू संभाग के विंटर जोन के कॉलेज 27 दिसंबर से 14 फरवरी 2025 तक विंटर वैकेशन मनाएंगे। जम्मू संभाग के समर जोन के कॉलेज 1 जनवरी से 10 जनवरी 2025 तक छुट्टियां मनाएंगे। सरकार ने कश्मीर जोन और जम्मू संभाग के विंटर जोन के स्कूलों के लिए पहले ही विंटर वैकेशन की घोषणा की है।

मध्य प्रदेशः ठंड के बीच कल से बारिश का अलर्ट, भोपाल, इंदौर-जबलपुर संभाग भीगेंगे

कड़ाके की ठंड का दौर खत्म होने के बाद अब मध्यप्रदेश में बारिश का सिस्टम एक्टिव हो रहा है। मौसम विभाग की माने तो 23 दिसंबर से प्रदेश में हल्की बारिश हो सकती है। इससे भोपाल, इंदौर-जबलपुर के साथ उज्जैन और ग्वालियर संभाग भी भींगेंगे। राज्य के मौसम में बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा। वेस्टर्न डिस्टर्बेंस एक्टिव होने से रात के तापमान में बढ़ोतरी होगी। इससे लोगों को आज से कड़ाके की सर्दी से राहत मिलनी शुरू होगी। उधर, राजस्थान में शनिवार को शीतलहर और कोहरे से कई शहरों का तापमान गिर गया।

उत्तर प्रदेशः कई जिलों में बारिश का अलर्ट, 50 जिलों में कोहरा, नए साल से शुरू होगी कड़ाके की ठंडः यूपी के 50 जिलों में घना कोहरा छाया हुआ है। आज 7 जिलों में बारिश की संभावना है। वाराणसी में सुबह घने कोहरे में गंगा आरती हुई। अधिकतम तापमान 24 और न्यूनतम 10 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। शनिवार को सबसे ठंडा शहर कानपुर रहा।

पंजाबः फिर बारिश के आसार, बढ़ेगी ठंड, 5 जिलों में कोहरे की चेतावनी, विजिबिलिटी 100 मीटर रहेगीः पंजाब और चंडीगढ़ के लोगों को ठंड से कोई राहत नहीं मिल रही है। पंजाब के औसत तापमान में 1.5 डिग्री की गिरावट देखी गई, जबकि चंडीगढ़ के तापमान में 0.8 डिग्री की गिरावट आई। वहीं पंजाब का पठानकोट 2.1 डिग्री के साथ सबसे ठंडा जिला दर्ज किया गया है।

असम में बाल विवाह के खिलाफ कार्रवाई

अब तक 416 लोगों को गिरफ्तार किया गया

गुवाहाटी, एजेंसी

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने रविवार को कहा कि राज्य में बाल विवाह के खिलाफ बड़े पैमाने पर कार्रवाई करते हुए 416 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने 335 मामले दर्ज किए हैं। गिरफ्तार लोगों को रविवार को अदालत में पेश किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने X पर लिखा, असम बाल विवाह के खिलाफ अपनी लड़ाई जारी रखे हुए है। 21-22 दिसंबर की रात को शुरू किए गए तीसरे चरण के अभियान में 416 गिरफ्तारियां की गई और 335 मामले दर्ज किए गए। हम इस सामाजिक बुराई को खत्म करने के लिए साहसिक कदम उठाते रहेंगे। असम सरकार ने 2023 में फरवरी और अक्टूबर में दो चरणों में बाल विवाह के खिलाफ अभियान शुरू किया था। फरवरी में पहले चरण में 3,483 लोगों को गिरफ्तार किया गया और 4,515 मामले दर्ज किए गए, जबकि अक्टूबर में दूसरे चरण में 915 लोगों को गिरफ्तार किया गया और 710 मामले दर्ज किए गए।

शिवपुरी के बैराड़ में अलाव से लगी आग, जलने से तीन लोगों की मौत

शिवपुरी, ब्यूरो

मध्य प्रदेश में शिवपुरी जिले के लक्ष्मीपुरा गांव में तीन लोगों की जिंदा जलने से मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक ठंड से बचने के लिए ये झोपड़ी में अलाव जलाकर सोए थे। अलाव से आग झोपड़ी में फैल गई और इसमें सो रहे तीनों लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में एक बुजुर्ग और दो बच्चे हैं, जिनके नाम हजारी बंजारा(65), संध्या बंजारा(10) और अनुष्का बंजारा(5) हैं। दोनों बच्चियां अपने दादा के साथ सो रही थीं। इसी दौरान झोपड़ी में आग लग गई। पोहरी विधायक कैलाश कुशवाह ने मृतकों के परिजनों को 10 हजार रुपये की आर्थिक सहायता उपलब्ध करवाई है। पुलिस आग लगने के कारणों की जांच कर रही है। कभी भी सिगड़ी को जलाकर ना सोएं, इससे निकली कार्बनडाइन ऑक्साइड से दम घुट सकता है। अलाव तापते समय साथ में पानी भी रखें, कभी अचानक आग फैल जाए तो इससे बुझाया जा सके। अलावा में कोई भी ज्वलनशील पदार्थ, पेट्रोल, डीजल या केरोसीन ना डालें, इससे आग भड़क सकती है।

ठंड में बढ़ जाते हैं ऐसे हादसे

ठंड में अलाव या सिगड़ी से आग लगने के हादसे बढ़ जाते हैं। लोग हाथ सेकने और गर्माहट पाने के लिए आग जलाते हैं। ऐसे में ही थोड़ी लापरवाही जानलेवा बन जाती है। ग्रामीण इलाकों के साथ शहरी क्षेत्रों में भी अलाव और सिगड़ी से आग लगने की घटना बढ़ जाती है। सिगड़ी जलाकर सोने से दम घुटने का खतरा भी रहता है।

मोहन राज में कैलारस जनपद की हटीपुरा पंचायत में सरपंच की मनमानी का आलम

दलित के एक बीघा खेत में बना दिया पुलिस लेकर रपटा, जनसुनवाई में शिकायत होने पर कलेक्टर भी चुप

नहीं उठा कलेक्टर का फोन

इस मामले में जब कलेक्टर अंकित अस्थाना से बात करनी चाही तो उनका फोन लगातार लगाने के बावजूद नहीं उठा।

नारायण बांदिल, ग्वालियर

सरकार से मिले एक बीघा खेत भी सरपंच को रास नहीं आया और जबरन पुलिस को साथ लेकर रात के समय दलित के खेत में रपटा बनाकर तैयार कर दिया और उसका पता दलित किसान को सुबह लगा, जब वह सोकर उठा और खेत में जाने पर रपटा बना हुआ दिखा और जब इसका विरोध किया तो उसके बेटे के साथ उसको आरोपी बना दिया गया। कैलारस जनपद की हटीपुरा पंचायत में इन दिनों बड़े जोरों पर सरपंच की मनमानी का आलम बना हुआ है, जिसका कारण वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा शिकायतों पर संज्ञान न लेना है और इसके चलते सरपंच की दबंगई इस कदर बढ़ गई हैं कि उसने पूरी तरह जानबूझकर एक दलित गरीब किसान बद्री प्रसाद जाटव के खेत में लाखों की लागत से रपटा का निर्माण कर दिया गया है, जबकि पटवारी के सीमांकन में उस जगह को दलित के खेत में ही माना गया है।

कलेक्टर को दी जनसुनवाई में

इस मामले में शिकायत कलेक्टर को जनसुनवाई में जाकर बद्री प्रसाद जाटव ने दी है, लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की जा सकी है, जिससे गरीब किसान पूरी तरह दहशत में है।

सचिव बोला ऐसे ही बनते हैं रपटे

इस मामले में पंचायत के सचिव ने बद्री प्रसाद की शिकायत पर बोला कि ऐसे ही रपटे बनाए जाते हैं, अगर ज्यादा करोगे को पूरे खेत में रपटा बना देंगे।

जनपद से लेकर जिले तक शिकायत

हटीपुरा पंचायत में चल रहे भ्रष्टाचार की शिकायत जनपद से लेकर जिला कलेक्टर तक कई बार की जा चुकी है, लेकिन इसके बावजूद न तो सरपंच की मनमानी रुक रही है और न ही भ्रष्टाचार पर लगाम लग रही है।

लगभग 10 लाख है कीमत रपटा की

इस मामले में मिली जानकारी के अनुसार यह रपटा 9 लाख 70 हजार की राशि से निर्मित कराया गया है, जिसको देखने पर इसमें बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार की स्थिति सामने आती है।

पहले पैसा निकाला शिकायत पर बनाया

इस रपटे के निर्माण का पैसा पहले ही निकाल लिया गया था, लेकिन जब इसकी शिकायत हुई तो बाद में इसका निर्माण करा दिया गया।

पत्थर तोड़कर बनाया आरोपी

इस मामले में बद्री प्रसाद जाटव ने बताया कि जब उन्होंने इस रपटे का विरोध किया तो सरपंच और उसके सहयोगियों ने रपटे के पत्थर हटाकर पुलिस में उनके और बेटे के खिलाफ मामला दर्ज करवा दिया। जबकि उनका बेटा गांव में न होकर जयपुर में कलर पुट्टी का काम कर रहा था।

20 साल से अलग कपल का तलाक मंजूर किया

सुप्रीम कोर्ट बोला-शादी विश्वास पर आधारित रिश्ताः इसका मकसद खुशी और सम्मान है, विवाद नहीं;

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि शादी का रिश्ता आपसी भरोसे, साथ और साझा अनुभवों पर टिका होता है। अगर ये चीजें लंबे समय तक नहीं हों तो शादी सिर्फ कागजों पर रह जाती है। कोर्ट ने आगे कहा कि शादी का उद्देश्य दोनों की खुशी और सम्मान है, न कि तनाव और विवाद। कोर्ट ने यह टिप्पणी मद्रास हाईकोर्ट के उस फैसले को बरकरार रखते हुए की, जिसमें 20 साल से अलग रह रहे सॉफ्टवेयर इंजीनियर दंपति को तलाक देने का आदेश दिया गया था। सुप्रीम कोर्ट ने तलाक मंजूर करते हुए पत्नी को 50 लाख रुपए एलीमनी देने का आदेश दिया। इसके साथ ही बेटी की पढ़ाई और भविष्य के खर्चों के लिए भी 50 लाख रुपए देने को कहा। यह रकम पति को चार महीने के अंदर चुकानी होगी। पत्नी 20 साल से मायके से नहीं लौटी तो पति ने तलाक मांगा दंपति की शादी 30 जून 2002 को हुई थी। 2003 में उनके घर एक बेटी का जन्म हुआ। बेटी के जन्म के बाद पत्नी अपने मायके गई, लेकिन फिर वापस नहीं लौटीं। तब से पति-पत्नी अलग रह रहे हैं। पति ने तलाक के लिए अदालत का रुख किया और कहा कि पत्नी ने उनके और उनके परिवार पर झूठे आरोप लगाए और शिकायतें दर्ज कराईं, जिससे उन्हें मानसिक और भावनात्मक तकलीफ हुई। पत्नी ने इस तलाक का विरोध किया था, लेकिन अदालत ने उनकी दलीलें खारिज कर दीं। बाल विवाह को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने 18 अक्टूबर को फैसला सुनाया। CJI डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की बेंच 141 पन्नों के फैसले में कहा, हमने बाल विवाह की रोकथाम पर बने कानून (PCMA) के उद्देश्य को देखा और समझा। इसके अंदर बिना किसी नुकसान के सजा देने का प्रावधान है, जो अप्रभावी साबित हुआ। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि हिंदू विवाह कोई नाचने-गाने या खाने-पीने का मौका भर नहीं है। न ये कोई व्यापारिक लेन-देन है। जब तक इसमें रस्में नहीं निभाई जातीं, तब तक इसे हिंदू मैरिज एक्ट के तहत वैध नहीं माना जा सकता है।

नदी जोड़ो परियोजनाएं प्रदेश में विकास की लिखेगी नयी इबारत : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने इंदौर को दी 1249 करोड़ के विकास कार्यों की सौगात

भारतमत रिपोर्टर

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि इंदौर, माँ देवी अहिल्या की नगरी है, जो विकास का पर्याय रहीं है। उनके कार्यकाल में देव स्थानों का पूरे देश में अद्भुत विकास हुआ है। इंदौर वर्तमान में देश का सबसे स्वच्छ शहर है। यह आईटी, स्वास्थ्य, शिक्षा, स्मार्ट सिटी के कार्यों आदि में देश में भी अव्वल है। अब इंदौर को हर क्षेत्र में अव्वल बनाने के कार्य तेजी से होंगे। इंदौर का सर्वांगीण विकास कर इंदौर को देश के प्रमुख महानगरों के समकक्ष खड़ा किया जायेगा। उन्होंने कहा कि इंदौर के नेहरू स्टेडियम का पुनर्निर्माण किया जायेगा। यहाँ आईटी के विकास की अपार संभावनाएं है, इसको देखते हुए इंदौर में जल्द ही आईटी समिट आयोजित की जायेगी। इंदौर नगर निगम का नया भव्य भवन भी बनाया जायेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को इंदौर में जनकल्याण पर्व के तहत आयोजित लोकार्पण एवं भूमि-पूजन समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इंदौर के लिये 1249 करोड़ रूपये से अधिक की लागत के विकास कार्यों का लोकार्पण-भूमिपूजन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि नदी जोड़ो परियोजना प्रदेश में विकास की नयी इबारत लिखेंगी। मध्यप्रदेश देश का ऐसा पहला राज्य है जहां 2 नदी जोड़ो परियोजनाओं पर एक साथ कार्य हो रहा है। यह परियोजनाएं प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में मूर्तरूप ले रही हैं। इन परियोजनाओं के माध्यम से नदियों को आपस में जोड़कर पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी के सपनों को साकार किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इंदौर में हो रहे विकास की सराहना करते हुए कहा कि इंदौर को अब हर क्षेत्र में नम्बर-वन बनाया जायेगा। इंदौर को देश के प्रमुख महानगरों की तरह विकसित किया जायेगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने संविधान निर्माता बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर का स्मरण करते हुए कहा कि उनके योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता है। वे हमेशा से सम्मानीय है। उनका सम्मान हमेशा कायम रहेगा। बाबा साहेब की स्मृतियों को चिरस्थाई बनाने और उनके प्रति सम्मान व्यक्त करने के लिये पंच तीर्थ विकसित किये गये है। उनके जीवन से जुड़े 5 प्रमुख स्थलों को तीर्थ-स्थल का दर्जा दिया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जनकल्याण पर्व और मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान में की जा रही गतिविधियों की जानकारी देते हुए नागरिकों से उनका लाभ लेने का आहवान किया। उन्होंने बताया कि जनकल्याण अभियान के माध्यम से शासन की 76 योजनाओं और सेवाओं का लाभ आमजन तक घर-घर जाकर पहुंचाया जा रहा है। नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव हमारे इंदौर जिले के प्रभारी भी है। उनके नेतृत्व में इंदौर शहर हर क्षेत्र में नंबर वन होगा। सफाई में नंबर वन है, जल-संरक्षण में हम नंबर वन है। अब पर्यावरण में भी इंदौर को नंबर वन बनाने के प्रयास शुरू किये गये है। इंदौर में 51 लाख पौधे लगाये गये है। साथ ही यह संकल्प भी लिया गया है कि आगामी 5 साल तक हर साल 51 लाख पौधें लगाये जायेंगे। हम सब मिलकर प्रयास करेंगे कि शहर के तापमान को 5 डिग्री तक कम करें। उन्होंने कहा कि इंदौर को ट्रैफिक समस्या से भी निजात दिलाने के लिए प्लानिंग की जा रही है। इंदौर के ट्रैफिक में सुधार कर नंबर वन बनायेंगे। जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने कहा कि इंदौर जो भी करता है अद्भुत करता है। इंदौर में यह पहली बार हो रहा जब एक ही दिन में एक साथ मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा 1249 करोड़ रूपये के विकास की सौगात दी गई है। इंदौर, विकास का मॉडल बन गया है। यहां विकास एवं प्रगति की नयी बुनियाद रखी जा रही है। नदी जोड़ो परियोजनाओं का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में अब सिचाई और पेयजल की सुविधा में आशातित वृद्धि होगी। इन परियोजनाओं को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में मूर्तरूप देकर पूर्व प्रधानमंत्री स्व. वाजपेई के संकल्पों को पूरा किया जा रहा है। कार्यक्रम में महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव ने स्वागत भाषण देते हुए इंदौर शहर के विकास के लिये किये जा रहे कार्यों की जानकारी दी।

सरकार ने 1110 करोड़ में बेच दी 101 प्रॉपर्टी

मध्य प्रदेश के बाहर सरकार की कितनी प्रॉपर्टी, लोक परिसंपत्ति विभाग को पता नहीं

भारतमत रिपोर्टर

भोपाल। मध्य प्रदेश सरकार पर वर्तमान में करीब पौने चार लाख करोड़ रुपये का कर्ज है। सरकार का तर्क है कि यह कर्ज सीमा के अंदर लिया गया है। वहीं, विपक्ष का आरोप है कि सरकार प्रचार-प्रसार और अपनी सुविधाओं के लिए प्रदेश को कर्ज के गर्त में धकेल रही है। प्रति व्यक्ति 55 हजार रुपये का कर्ज प्रदेश के हर नागरिक पर है। एक तरफ जहां सरकार लगातार कर्ज ले रही है, वहीं दूसरी ओर सरकारी संपत्तियां भी बेची जा रही हैं। विधानसभा में जौरा विधायक पंकज उपाध्याय के सवाल के जवाब में बताया गया है कि पिछले पांच सालों में प्रदेश की 101 संपत्तियां 1,110 करोड़ रुपये में बेची गई हैं। विधायक ने यह भी पूछा कि मध्य प्रदेश के बाहर कहां कितनी सरकारी संपत्ति है। इसके जवाब में बताया गया कि लोक परिसंपत्ति विभाग के रिकॉर्ड पोर्टल पर प्रदेश के बाहर की संपत्तियों का रिकॉर्ड दर्ज नहीं है। जौरा के कांग्रेस विधायक पंकज उपाध्याय ने कहा, ÷मैंने विधानसभा में प्रश्न लगाया था। उसके जवाब को देखकर एक बार फिर साबित हुआ है कि एमपी अजब है-गजब है। लोक परिसंपत्ति विभाग से पूछा था कि प्रदेश और प्रदेश के बाहर सरकार की कितनी संपत्ति है और सरकार ने कितनी संपत्ति बेची। उसका उत्तर आया और लोक परिसंपत्ति विभाग ने बताया कि हम प्रदेश के बाहर की सरकार की संपत्ति का रिकॉर्ड नहीं रखते। हम नहीं बता सकते कि दिल्ली, मुंबई, हैदराबाद, काशी और देश के अलग-अलग राज्यों में कहां कितनी संपत्ति है। विधायक पंकज उपाध्याय ने कहा, ये संपत्तियां या तो खुर्द-बुर्द कर बेच दी गई हैं या फिर वल्लभ भवन में जो आग लगती है, उसमें इन संपत्तियों का रिकॉर्ड जला दिया गया। हर बड़े शहर में मध्य प्रदेश सरकार की संपत्ति है। ये रिकॉर्ड छिपा रहे हैं। मात्र 1,100 करोड़ रुपए में इन्होंने 101 संपत्तियां बेच दी हैं। सरकार रोज 20-25 हजार करोड़ का लोन ले रही है। दूसरी तरफ हजार करोड़ रुपए के लिए 101 प्रॉपर्टीज बेच दीं। ये बहुत बड़ा धोखा है। सौ करोड़ की संपत्ति को दो करोड़ में बेचने का षड्यंत्र है। बेची गई संपत्तियां ऐसी हैं जो औने-पौने दामों पर अपने चहेतों को बेच दी गईं। आने वाले समय में कांग्रेस पार्टी इस खेल को जनता के सामने लेकर आएगी। मुरैना जिले के पोरसा में रोडवेज बस स्टैंड की जमीन को चार साल पहले 16 करोड़ 11 लाख रुपए में बेचा गया था।

टीआई के घर चोरी करने वाला यूपी से गिरफ्तार

भारतमत रिपोर्टर

भोपाल। हबीबगंज इलाके में रहने वाले क्राइम ब्रांच के टीआई अशोक मरावी के घर चोरी करने वाले आरोपी को पुलिस ने शुक्रवार को बांदा (यूपी) से गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ बांदा में हत्या-चोरी सहित 6 केस दर्ज हैं। वारंट में फरार चल रहा था, फरारी के दौरान चोरी के इरादे से पहले इंदौर आया। दो दिन वहां रहा, नाकाम होने के बाद भोपाल आया। यहां दो दिन अलग-अलग रैन बसेरे और लॉज में रहने के साथ ही रैकी करता रहा। टीआई मरावी का घर उसे सुनसान दिखा। जहां उसने डेढ़ लाख रुपए नकद और एक लाख की ज्वेलरी पर हाथ साफ कर दिया। पुलिस ने चोरी गया पूरा माल रिकवर कर लिया है। अन्य वारदातों के संबंध में आरोपी से पूछताछ की जा रही है। पूछताछ में उसने बताया कि वह वारदात के दो दिन पहले ही इंदौर से भोपाल आया। दो रातें उसने रैन बसेरों में बिताई हैं। इंदौर में रहने के दौरान कई घरों को निशाना बनाया लेकिन उसमें वह कामयाब नहीं हो सका था।

भोपाल के वन विहार में दहाड़ेंगे जूनागढ़ के सिंह

शाम तक पार्क में आएगा लॉयन का जोड़ा, इन्हें मिलाकर 5 हो जाएगी संख्या

भारतमत रिपोर्टर

भोपाल। भोपाल के वन विहार नेशनल पार्क में गुजरात के जूनागढ़ के सक्करबाग चिड़ियाघर के सिंह दहाड़ेंगे। दो सिंह शनिवार शाम तक वन विहार पहुंच जाएंगे। वन विहार प्रबंधन की टीम इन्हें लेकर आ रही हैं। डिप्टी डायरेक्टर एस.के सिन्हा ने बताया कि एनिमल एक्सचेंज के तहत से गिर के सिंह का जोड़ा लाया जा रहा है। इनके बदले वन विहार से बाघ का जोड़ा दिया गया है। डिप्टी डायरेक्टर सिन्हा के अनुसार, शाम तक टीम सिंह का जोड़ा लेकर वन विहार आ जाएगी। लोग इनके दीदार कब तक कर सकेंगे, यह प्रबंधन तय करेगा। हालांकि, नए साल में लोग इन्हें देख सकेंगे। अभी वन विहार में 3 सिंह है। इन्हें मिलाकर संख्या पांच हो जाएगी। गुजरात ने वन विहार नेशनल पार्क की बात 16 साल बाद मानी और चार साल के युवा सिंह का जोड़ा दिया है। इसके बदले में बांधवगढ़ नेशनल पार्क से लाए गए बाघ बी-2 और बाघिन बंदनी सक्करबाग चिड़ियाघर भेजे हैं। इनकी उम्र क्रमशः- 7 और 6 साल है। 2006 से गिर के सिंह लाने के प्रयास चल रहे थे। केंद्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण के निर्देश के बाद भी गुजरात वन विभाग व चिड़ियाघर प्रबंधन युवा बाघों के बदले बूढ़े सिंह देने की पेशकश कर रहा था। वन विहार प्रबंधन ने इस प्रस्ताव को ठुकरा दिया था। वन विहार में इस समय तीन सिंह हैं। जिसमें एक नर सत्या और दो मादा गंगा और नंदी हैं। नंदी और सत्या नंदन कानन चिड़ियाघर से लाए गए थे। मप्र सरकार लगातार गिर से सिंह लाने का प्रयास कर रही थी। जूनागढ़ से आ रहे सिंह के जोड़े से ब्रीडिंग प्रोग्राम को गति मिलेगी। वहीं मादा सिंह गंगा को नया साथी मिलेगा। वहीं इन-ब्रीडिंग से बचाने के लिए जूनागढ़ की मादा सिंह को नया साथी सत्या मिलेगा।

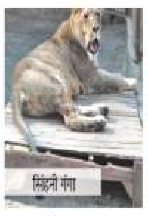

सिंहनी गंगा

सिंह सत्या

पलाश रेसीडेंसी के सामने से 45 शेड हटाए

भारतमत रिपोर्टर

भोपाल। भोपाल के टीटी नगर इलाके में शनिवार को जिला प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की। एमपी टूरिज्म के होटल पलाश रेसीडेंसी के सामने से करीब 45 शेड हटाए गए। यहां पर टू व्हीलर-फोर व्हीलर्स के गैरेज है। दुकानदारों ने सड़क तक कब्जा जमा लिया। जिससे जाम की स्थिति बनती थी। एसडीएम अर्चना रावत ने बताया कि कई बार तो एम्बुलेंस तक फंस जाती थी। इसलिए यह कार्रवाई की गई। एसडीएम रावत ने बताया, पलाश रेसीडेंसी के पास ही 3 से 4 सरकारी क्वार्टर में पानी और बिजली की सप्लाई बंद करने की कार्रवाई भी कर रहे हैं। इनमें अवैध तरीके से कब्जा है। संपदा विभाग को भी लेटर लिखेंगे। ताकि, कब्जा हट सके। कार्रवाई के दौरान कुछ लोगों ने आपत्ति ली, लेकिन अफसरों की सख्ती के आगे उनकी एक न चली। एसडीएम रावत के अलावा एमआईसी मेंबर जगदीश यादव भी मौजूद रहे। एसडीएम रावत ने बताया कि टीटी नगर ग्राउंड पर ही भोपाल उत्सव मेला लग रहा है। जहां हजारों लोग पहुंच रहे हैं, लेकिन सड़क पर शेड बनने और अतिक्रमण होने की वजह से उन्हें आने-जाने में परेशानी होती है।

बिल्डर्स के ठिकानों से जब्त कैश 10 करोड़ तक पहुंचा

गायब सीपीयू बरामद; तीसरे दिन भी जारी रही आयकर विभाग की कार्रवाई

भारतमत रिपोर्टर

भोपाल। भोपाल और इंदौर में त्रिशूल कंस्ट्रक्शन, क्वालिटी ग्रुप और ईशान ग्रुप के मालिकों और परिचितों के 51 ठिकानों पर आयकर विभाग की कार्रवाई तीसरे दिन शुक्रवार को भी सर्चिंग जारी रही। यहां से जब्त कैश का आंकड़ा 10 करोड़ रुपए तक पहुंच गया है। वहीं, क्वालिटी ग्रुप के संचालक के यहां से गायब सीपीयू मिल गया है। इस सीपीयू के क्वालिटी ग्रुप के संचालकों ने छिपा दिया था। जांच टीम को 25 लॉकर्स की जानकारी मिली है। जिन्हें खुलवाने का काम शुरू कर दिया है। बताया जा रहा है कि इनमें गोल्ड और नकदी मिली है। हालांकि, अभी इनका वैल्यूएशन होना बाकी है। अधिकारियों का कहना है कि महिलाएं 500 ग्राम तक गोल्ड रख सकती हैं। अगर इससे अधिक गोल्ड है तो उसे जब्त किया जाएगा। इसी तरह पुरुषों के लिए भी कुछ गोल्ड रखने की छूट है, इसके अलावा अतिरिक्त गोल्ड होने पर जब्ती की जाएगी। आयकर जांच में यह बात सामने आ चुकी है कि छत्तीसगढ़ के रायपुर के कारोबारी महेंद्र गोयनका के लाइजनर के रूप में भी त्रिशूल कंस्ट्रक्शन कंपनी का संचालक राजेश शर्मा काम कर रहा था। उसके और सहयोगियों द्वारा गोयनका की कंपनियों में चार सौ करोड़ रुपए का इन्वेस्ट किया है। इसलिए जांच अधिकारी अब इस मामले में शर्मा की गोयनका से लिंक तलाश रहे हैं। इस लिंक के जरिए आगे की कार्यवाही की जाएगी। आयकर अफसरों ने राजेश शर्मा और उसके सहयोगियों के यहां छापे में मिल रही अकूत संपत्ति के मामले में हवाला के जरिए लेन देन की जांच करने और विदेशी फंडिंग की भी जांच की तैयारी शुरू की है। विभाग विदेशी निवेश की स्थिति में इसकी जांच अलग तरीके से करने के लिए संबंधित एजेंसियों से पत्राचार करेगा।

मंत्री ने लोक निर्माण विभाग चीफ इंजीनियर से पूछा-बताओ कितने नाले हैं?

हमीदिया रोड की प्लानिंग पर उखड़े मंत्री सारंग

भारतमत रिपोर्टर

भोपाल। भोपाल के हमीदिया रोड (भारत टॉकीज से रॉयल मार्केट तक) के निर्माण की बेतरतीब प्लानिंग पर शनिवार को मंत्री विश्वास सारंग उखड़ गए। उन्होंने मौके पर ही पीडब्ल्यूडी के चीफ इंजीनियर संजय मस्के की क्लास लगा दी। मंत्री ने चीफ इंजीनियर से पूछा कि बताओ कितने नाले हैं अफसर ने जब गोल-मोल जवाब दिया तो मंत्री बोले- जब नाम नहीं मालूम है तो बहस क्यों कर रहे हो मंत्री ने तत्काल काम करने के निर्देश दिए। गड्ढों से मुक्ति और जलभराव रोकने के लिए 4 किलोमीटर लंबी डामर रोड को सीमेंट-कंक्रीट में बदला जा रहा है। लेकिन पीडब्ल्यूडी के इस प्रोजेक्ट और प्लान पर ही मंत्री सारंग ने शनिवार को सवाल खड़े कर दिए।

मंत्री सारंग महापौर समेत अन्य जनप्रतिनिधियों के साथ निर्माण कार्य का निरीक्षण करने पहुंचे थे। जब नाले की बनावट देखी तो वे गुस्सा हो गए और मौके पर ही अफसरों की क्लास लगा दी। निरीक्षण के दौरान पीडब्ल्यूडी के चीफ इंजीनियर मस्के समेत नगर निगम, मेट्रो, जिला प्रशासन और पुलिस अफसर भी मौजूद थे। मस्के समेत पीडब्ल्यूडी के अन्य अधिकारियों से जब मंत्री सारंग ने प्लानिंग और सर्वे की जानकारी मांगी तो वे जवाब नहीं दे सके। इस पर फटकार लगाते हुए मंत्री ने कहा कि बिना सर्वे और प्लानिंग के निर्माण शुरू किया गया है। पातरा नाले में चेनलाइजेशन के लिए निगम से एनओसी भी नहीं ली गई है। नाली निर्माण से पुल पातरा नाले पर दबाव बढ़ेगा और फिर शहर में बाढ़ के हालात पैदा हो जाएंगे।सारंग ने कहा कि भोपाल शहर में बाढ़ की स्थिति बन जाएगी। जिससे 10 लाख से अधिक लोग प्रभावित हो जाएंगे। ठेकेदार-अफसरों की तरफ देखते हुए मंत्री बोले कि आप भोपाल के नहीं हो। आप शहर में बाढ़ लाना चाहते हो, लेकिन मैं बाढ़ नहीं आने दूंगा। मंत्री सारंग ने बताया, सड़क निर्माण से पहले सर्वे होना था कि कहां से पानी आएगा और किस नाले में जाएगा। कहां पर जलभराव की स्थिति बनेगी। सड़क निर्माण में लापरवाही की जानकारी मिली थी। इसलिए आज पीडब्ल्यूडी, ट्रैफिक, राजस्व और निगम अमले के साथ मौके पर पहुंचे थे। कुछ नाले-नालियों के चैनलाइजेशन को लेकर दिक्कत है। कलेक्टर से कहा है कि सभी विभागों को एक साथ बैठाएं। सभी के समन्वय से काम हो। यदि एक ही नाले में पानी जाएगा तो भोपाल शहर में बाढ़ की स्थिति बनेगी। काम तत्काल रोकने को कहा है। सर्वे और प्लानिंग करने के बाद ही काम शुरू करने को कहा है। जानकारी के अनुसार, पीडब्ल्यूडी रॉयल मार्केट से भोपाल टॉकीज तक 4 किमी सड़क को कुल 42 करोड़ रुपए से सीमेंट-कंक्रीट में बदला जा रहा है। यह सड़क हमीदिया रोड यानी, भारत टॉकीज से भोपाल टॉकीज होते हुए रॉयल मार्केट तक निकलेगी। बैरसिया रोड, शाहजहानाबाद और तलैया का भी कुछ हिस्सा प्रोजेक्ट में शामिल है।

हमीदिया अस्पताल का वार्ड बॉय सैलरी विवाद

भारतमत रिपोर्टर

भोपाल। भोपाल के हमीदिया अस्पताल में वार्ड बॉय, कंप्यूटर ऑपरेटरों की सैलरी शनिवार सुबह सिर्फ एक महीने की आई है, हालांकि एक महीने की सैलरी और बोनस अभी भी बाकी है। जिसके बाद अब वार्ड बॉयज भूख हड़ताल की तैयारी कर रहे हैं। इनका कहना है कि शुक्रवार को सिक्योरिटी गार्ड के साथ-साथ हाउस कीपिंग स्टाफ की भी सैलरी आ गई। बात दें कि, 17 दिसंबर को 500 से ज्यादा वार्ड बॉय और टेक्नीशियन ने हड़ताल कर दिया था। सुबह 7 बजे से सभी कर्मचारी अस्पताल के सामने धरने पर बैठे थे। जिसके बाद प्रबंधन ने इन्हें शुक्रवार और शनिवार को सैलरी देने का आश्वासन दिया था। हमीदिया अस्पताल के वार्ड बॉय, लैब टेक्नीशियन को पिछले 3 महीने से सैलरी नहीं मिली है। कर्मचारियों ने बताया कि 3 महीने से सैलरी नहीं दी गई है। वह लगातार कंपनी और अस्पताल के अधिकारियों से चर्चा कर रहे हैं। उसके बाद भी उन्हें तनख्वाह नहीं दी जा रही है। उनका कहना है कि, हम लोगों को घर के खर्च चलाने में भारी परेशानी हो रही है।

ब्रीफ न्यूज

कांग्रेस के प्रदर्शन में बाबा साहब की तस्वीर से छेड़छाड़

भोपाल। बाबा साहब अंबेडकर की तस्वीर से छेड़छाड़ मामले में कांग्रेस ने शनिवार को राजधानी के टीटी नगर थाने में केंद्रीय मंत्री अमित शाह और बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के खिलाफ शिकायत की। कांग्रेस पार्टी ने दोनों बीजेपी नेताओं के विरुद्ध एससी-एसटी एक्ट में एफआईआर दर्ज करने की मांग की गई। पूर्व विधायक और कांग्रेस नेता कमलेश्वर पटेल के साथ टीटी नगर थाने पहुंचे कांग्रेस नेताओं ने कहा कि बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और आईटी सेल के प्रभारी अमित मालवीय ने बाबा साहब अंबेडकर की तस्वीर से छेड़छाड़ की है। पटेल ने कहा कि जब केंद्रीय मंत्री अमित शाह के अंबेडकर को लेकर दिए बयान पर कांग्रेस विरोध-प्रदर्शन कर रही थी। तब बीजेपी ने तस्वीर से छेड़छाड़ कर किसी अवांछित व्यक्ति की तस्वीर दिखाई और सोशल मीडिया पर पोस्ट की। कांग्रेस का आरोप है कि पिछले दिनों अंबेडकर को लेकर की गई।

भोपाल में कार ने छात्र को टक्कर मारी, मौत

भोपाल। भोपाल के बजरिया इलाके में स्थित सेमरा कला में रहने वाले युवक को एक कार ने टक्कर मार दी। हादसे में घायल युवक की अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। यह घटना शनिवार सुबह साढ़े सात बजे की है। पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक, शेखर लोधी पुत्र संजू लोधी (19) सेमरा कला का निवासी था। वह एक प्राइवेट कॉलेज से बीएससी फर्स्ट ईयर की पढ़ाई कर रहा था और मंडीदीप की एक फैक्ट्री में नौकरी करता था। हर रोज की तरह, वह नौकरी पर जाने के लिए निकला था। घर से करीब 50 मीटर की दूरी पर उसकी बाइक को कार नंबर एमपी 09 सीए 2588 ने टक्कर मार दी। हादसे में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया था। आरोपी चालक कार को मौके पर छोड़कर फरार हो गया। मोहल्ले के युवकों ने घायल शेखर को अस्पताल पहुंचाया, लेकिन इलाज के दौरान करीब एक घंटे बाद उसकी मौत हो गई। अस्पताल से मिली सूचना के आधार पर पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया है। शेखर परिवार का बड़ा बेटा था। उसका छोटा भाई शिवम एक प्राइवेट स्कूल में पढ़ाई करता है।

कार में 52 किलो सोना मिलने पर कांग्रेस का तंज

भोपाल। भोपाल में आयकर विभाग द्वारा लावारिस हालत में जब्त किए गए 52 किलो सोना, 11 करोड़ रुपए नकद और आरटीओ के पूर्व आरक्षक के घर से बरामद करोड़ों रुपए की नकदी और ज्वैलरी पर कांग्रेस ने तंज कसा है। प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा है कि कमीशन का कल्चर भ्रष्टाचार को बढ़ा रहा है। कर्ज से दबे मध्यप्रदेश में यह नीति अपराध है। कांग्रेस नेता केके मिश्रा ने कहा कि कभी सोने की चिड़िया कहलाने वाला देश अब सोने के कबूतर जैसा महसूस करा रहा है। पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने लिखा है कि भोपाल में आरटीओ के पूर्व कॉन्स्टेबल सौरभ शर्मा के घर से 1.15 करोड़ नकद, आधा किलो सोना, 50 लाख के हीरे और सोने के जेवरात, प्रॉपर्टी के दस्तावेज और चांदी की सिल्लियां बरामद हुई। इसके अलावा ऑफिस से 1.70 करोड़ नकद और प्रॉपर्टी के अन्य दस्तावेज भी मिले। भोपाल के मेंडोरी जंगल में आयकर विभाग ने एक कार से 52 किलो सोना और 10 करोड़ रुपए नकद बरामद किए।

आईएएस सर्विस मीट में आज होगी डीजे नाइट

भोपाल। भोपाल में फाइलों पर सिग्नेचर करने के दौरान बाबुओं और अधीनस्थ अफसरों पर रोब गांठने और नियम कायदों पर बात करने वाले आईएएस अफसर ने आज सुबह राजधानी के बोट क्लब पर चप्पू चलाया। इस रेस में आईएएस अफसरों के साथ उनके परिजन भी शामिल हुए। सुबह बड़े तालाब के किनारे गैदरिंग के बाद आईएएस अधिकारियों की टीम दिन भर गेम्स में जुटी रहेगी। वहीं कई आईएएस अधिकारी अपनी टीम के साथ व्यंजन बनाने की कुकिंग काम्पटीशन में भी शामिल हुई। 2023 में आईएएस सर्विस मीट न हो पाने के चलते दो साल बाद हो रही मीट को लेकर अधिकारियों और उनके परिजनों में उत्साह हैं। शुक्रवार सुबह सर्विस मीट के कार्यक्रम में शामिल नहीं हो पाने वाले अधिकांश आईएएस अधिकारी देर रात भोपाल आने के बाद आज सुबह से सर्विस मीट में आयोजित एक्टिविटीज में शामिल हुए। आज बोट क्लब पर बोट रेस के बाद 20 फुटबॉल, कुकिंग कांपटीशन, 5 क्रिकेट, फन गेम्स, पेंटिंग, बैडमिंटन, टेबल टेनिस, पूल, कैरम, बिलियर्ड्स, ब्रिज और अंताक्षरी का आयोजन किया जाएगा।

राजनीतिक रसूख के लिए स्व. अटल बिहारी के जन्मदिन पर चिकित्सा शिविर का आयोजन

भोपाल क्षेत्र के मरीजों को परेशान कर तीन दिन ग्वालियर में लगेगा शिविर

भारतमत रिपोर्टर, ग्वालियर

एम्स के चिकित्सक का नाम लेकर तीन दिन के चिकित्सा शिविर का आयोजन भोपाल क्षेत्र के मरीजों को परेशान कर लगाया जा रहा है, जिसका कारण भोपाल एम्स के मरीजों का तीन दिन तक ग्वालियर में आयोजित हो रहे शिविर में मरीजों को उपचार एवं परामर्श देना है। महानगर में मौजूद एलएनआईपीई में पूर्व प्रधानमंत्री स्व अटल बिहारी वाजपेयी के जन्मदिन पर तीन दिन चिकित्सा शिविर का आयोजन स्थानीय सांसद भारत सिंह कुशवाह द्वारा किया जा रहा है, जिसमें उनके द्वारा बताया गया है कि इसमें 22 विभागों के लगभग 170 चिकित्सक आकर 25 दिसंबर से 27 दिसंबर तक मरीजों का उपचार करंगे।

मेडिकल कॉलेज के बाजवूद शिविर

महानगर में प्रदेश का सबसे पुराना मेडिकल कॉलेज गजराराजा चिकित्सा महाविद्यालय सहित सुपर स्पेशलिटी एवं हजार बिस्तर अस्पताल सहित कमलाराजा अस्पताल, जिला अस्पताल और अन्य स्वास्थ्य सेवाएं मौजूद हैं। जिनमें कई बड़े योग्य एवं ख्यातिनाम चिकित्सक मौजूद हैं। इसके बावजूद चिकित्सा शिविर का आयोजन किया जा रहा है।

चिकित्सकों पर खड़ा किया सवाल

भोपाल में बने एम्स के चिकित्सकों को लेकर स्थानीय चिकित्सकों पर सवाल खड़ा किया जा रहा है, जिसकी चर्चा जनता में है कि आखिर यहां के चिकित्सक इस शिविर के योग्य नहीं थे, या फिर यहां के चिकित्सकों के नाम से मरीज कम आते।

भोपाल एम्स की व्यवस्थाएं कौन देखेगा

इस शिविर के तीन दिन आयोजित होने पर भोपाल एम्स के चिकित्सक यहां मौजूद रहने पर तीन दिन तक वहां की व्यवस्थाओं को कौन देखेगा? वाला सवाल अब सामने हैं, जिसका कारण वहां पर तीन दिन मरीजों को देखना बंद किया जाएगा अथवा उनको तीन दिन इंतजार करने को कहा जाएगा।

सिंधिया के सवाल पर चुप्पी

शिविर को लेकर शनिवार को हुई पत्रकार वार्ता में इस शिविर के जरिए सिंधिया को दिखाने वाले सवाल पर सांसद भारत सिंह ने चुप्पी साध ली और उसका कोई जवाब नहीं दिया।

रात के समय निरीक्षण हो तो खुल जाएं कई निजी अस्पतालों की पोल

चिकित्सक की अनुपस्थिति सहित अयोग्य कर्मचारियों की रहती है भरमार

भारतमत रिपोर्टर, ग्वालियर

दिन में चाक-चौबंध व्यवस्थाएं रखने वाले कई निजी अस्पतालों की पोल रात के समय निरीक्षण होने पर खुल जाएंगी, जिसका कारण रात के समय चिकित्सकों की अनुपस्थिति सहित अयोग्य कर्मचारियों की भरमार रहती है, जिससे मरीजों की जान पर खतरा मंडराता रहता है। महानगर सहित जिले में संचालित होने वाले निजी अस्पतालों को संचालित करने हेतु मध्य प्रदेश रुजोपचार स्थापना अधिनियम 1974 का पालन करना अनिवार्य होता है, जिसमें कुछ संशोधन बाद में किए गए हैं, इस अधिनियम में अस्पताल के अंदर चिकित्सक की मौजूदगी 24 घंटे आवश्यक है, इसके अलावा योग्य कर्मचारियों सहित समस्त सुविधाएं होनी चाहिए, लेकिन वर्तमान में कई निजी अस्पताल रात के समय महज मरीज को रोकने तक की व्यवस्थाएं रखते हैं।

आईसीयू के लिए 24 घंटे चिकित्सक: निजी अस्पताल में आईसीयू बने हुए हैं और इनके संचालन के नियमानुसार 24 घंटे एमबीबीएस चिकित्सक मौजूद रहना अनिवार्य है, लेकिन वर्तमान में इन अस्पतालों में नवीन अध्ययनरत या फिर अन्य पैथी के चिकित्सक रखे जाते हैं।

प्रशिक्षित कर्मचारी मौजूद नहीं

निजी अस्पतालों में सबसे अधिक खराबी प्रशिक्षित कर्मचारियों का न होना है, ज्यादातर अस्पताल प्रशिक्षित कर्मचारियों की जगह उन कर्मचारियों को रखने में सहूलियत महसूस करते हैं जो बिना किसी योग्यता के इस क्षेत्र में वर्षों से कार्य करते रहकर सीख गए हैं। जिसका कारण इनका वेतन प्रशिक्षित कर्मचारियों से कम होना है।

झोलाछाप मौजूद कई जगह पर

निजी अस्पतालों में रात के समय झोलाछाप चिकित्सकों की सेवाएं भी ली जा रही है, जिसका कारण इनको बेहद कम पैसे देने की स्थिति के साथ ही इनको मरीजों के साथ चिकित्सक जैसा कार्य करने की दक्षता होना है।

पलंगों के अनुसार चिकित्सक नहीं

महानगर में संचालित होने वाले कई निजी अस्पतालों में पलंग संख्या के अनुसार ही चिकित्सक मौजूद नहीं है, जबकि अनुमति के लिए दिए दस्तावेजों में सब कुछ मौजूद है।

2047 का भारत कैसा होगा यह गढ़ने का दिन है

एकता की शक्ति का एहसास युवाओं के द्वारा एन.एस.एस. में संभव है: पचौरी

ग्वालियर। सशक्त राष्ट्र निर्माण के लिए युवाओं का सबसे ज्यादा योगदान होने वाले है, जिसमें 2047 का भारत कैसा होगा यह गढ़ने का दिन है। एकता की शक्ति का एहसास युवाओं के द्वारा एन.एस.एस. के साथ किया जा सकता है, जिसके लिए राष्ट्रीय एकता शिविर की भूमिका अच्छी हो सकती है । यह बात मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. उमा शंकर पचौरी ने कही। 15 राज्यों का राष्ट्रीय एकता शिविर, जेयू की संगठन व्यवस्था में एलएनआईपीई में आयोजित किया जा रहा है। यह शिविर 21 दिसंबर से 27 दिसंबर तक चलेगा शिविर के पहले दिन बौद्धिक कार्यक्रम में मुख्य वक्ता डॉ. उमा शंकर पचौरी, राज्य सूचना अधिकारी, म.प्र. शासन, शिविर संचालक डॉ. अशोक कुमार श्रोती, उप कार्यक्रम सलाहकरा भारत सरकार, समन्वयक रा.से.यो. डॉ. हरिशंकर कंसाना, जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर उपस्थित थे। कार्यक्रम मां सरस्वती को माल्यार्पण एवं दीप प्रज्जवल्लन कर किया गया।

डॉ. पचौरी नें बताया की बच्चा सबसे पहले अ से अनार शब्द को पढ़ता है जिसका उसके जीवन में बहुत महत्तव है क्योकि अनार के प्रत्येक दाने स्वतंत्र होते है और वह जब एक फल का रूप ले लेते है तो वह एकता का प्रतीक माने जाते है एसे ही राष्ट्रीय एकता शिविर में हम सभी स्वयंसेवक अनार के दाने की तरह एक जुट होकर फल के रूप में सफलता को प्राप्त करें जिससे विकसित भारत की संकलप्ना को पूरा किया जा सके। इस शिविर में हमें बिना किसी जाती धर्म के एक जुटता के साथ अपने ज्ञान को आगे बढ़ाना है नई शिक्षा निति के लिए यह अवसरो का समय है समाधान का मार्ग दुनिया में केवल भारत में ही पाया जाता है जिसे राष्ट्रीय सेवा योजना चरितार्थ करती है।

सीएमएचओ एवं नोडल अधिकारी ने किया एंबुलेंसों का निरीक्षण, एक दूरस्थ, दूसरी में मिली कमियां

भारतमत रिपोर्टर, ग्वालियर

कलेक्टर रूचिका सिंह चौहान के निर्देशन में स्वास्थ्य विभाग की योजनाओं एवं कार्यक्रमों का संचालन किया जा रहा है , मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जिला ग्वालियर डॉक्टर सचिन श्रीवास्तव ने बताया कि स्वास्थ्य सेवाओं के बेहतर संचालन हेतु शनिवार को मेरे द्वारा एवं नोडल अधिकारी 108 के द्वारा दो एम्बुलेंसों का निरीक्षण किया गया, निरीक्षण के दौरान फूलबाग लुकेशन की 108 एम्बुलेंस सी.जी. 04 एन.यू. 5346 में सभी व्यवस्थाएं दुरुस्त मिलीं लेकिन कम्पू लुकेशन की 108 एम्बुलेंस सी.जी. 04 एन.जेड.1389 में व्यवस्थाएं ठीक नहीं मिलीं , 108 में ऑक्सीजन थी लेकिन कुछ इंजेक्शन नही मिले जिनमें एड्रीनलीन, नॉरएड्रेनालाईन, डायजेपाम, बैक्टीरियोस्टेटिक नहीं मिले जिन्हें तत्काल एम्बुलेंस में रखवाने के निर्देश दिए।

सीएमएचओ डॉ. सचिन श्रीवास्तव ने कहा कि 108 के जिला नोडल अधिकारी आई.पी. निवारिया, सीबीएमओ और मेडीकल आफीसरों द्वारा हर माह 108एम्बुलेंसों का निरीक्षण किया जाता है। जिसकी रिपोर्ट हर माह 5 तारीख तक शासन को भेजी जाती है, उन्होंने कहा कि आज दो में से एक 108 एम्बुलेंस में जो कमी पाई गई उसके लिए एमडी एन.एच. एम. मध्य - प्रदेश भोपाल को सम्बंधित 108 कम्पनी के द्वारा सुधार कराने हेतु पत्र लिखा जाएगा।

फैमिली प्लानिंग एसोसिएशन आफ इंडिया द्वारा चेकअप कैंप व जागरूकता शिविर आयोजित

ग्वालियर। कंसोटिया ग्रैंड फंड प्रोजेक्ट के अंतर्गत फैमिली प्लानिंग एसोसिएशन ऑफ इंडिया ग्वालियर ब्रांच द्वारा शाखा प्रबंधक नीलम दीक्षित के मार्गदर्शन में Mits डीम्ड यूनिवर्सिटी में एनसीसी छात्र-छात्राओं के लिए एक हेल्थ चेकअप कैंप और जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। कंसोटियां ग्रैंड फंड प्रोजेक्ट के पंकज अग्रवाल ने बताया कि यह शिविर स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने के लिए और गंभीर बीमारियों के बारे में जानकारी के लिए छात्र-छात्राओं के लिए लगाया जा रहा है जिसका उद्देश्य उन्हें स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि करनाल सी मुस्तफा ने कहा कि एचआईवी को लेकर जागरूक होना बहुत जरूरी है। मेजर और स्पोर्ट ऑफिसर डॉक्टर BPS भदौरिया के सानिध्य में एनसीसी कैंपस में इस कैंप का आयोजन किया गया। मेजर डीएस तोमर ने कैंप को सफल बनाने में अपना महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान किया। डॉ सुरभि भटकारिया ने शिविर में आने वाले सभी मरीजों का हेल्थ चेकअप किया और उन्हें दवाइयां वितरित की। हेल्थ चेकअप कैंप को सफल बनाने में सूबेदार रमेश, हवलदार एसएम खान पैरामेडिकल के छात्र-छात्राएं ने अपना विशेष सहयोग प्रदान किया।

अंबेडकर राष्ट्रीय अधिवक्ता संघ के तत्वाधान में संत गाडगे महाराज जी का 68 वां महापरिनिर्वाण दिवस मनाया गया

झांसी। डॉक्टर अंबेडकर राष्ट्रीय अधिवक्ता संघ (भारत)यूनिट उत्तर प्रदेश जिला झांसी के तत्वाधान में सन्त गाडगे महाराज ने अंध विश्वास पाखंड वाद का विरोध किया उन्होंने शिक्षा पर ज्यादा बल दिया गाडगे महाराज जी ने धर्मशालाएं बनवाई सन्त गाडगे महाराज ने कहा थाली नहीं है तो हाथ पर रख कर रोटी खाओ लेकिन शिक्षा जरूर ग्रहण करो उन्होंने सम्पूर्ण मानव जाति को समता समानता मानवतावादी समाज पर बल दिया की अनुसूचित जाति/ जनजाति जाति,पिछड़ों, अल्पसंख्यक, महिलाओं गरीबों को शिक्षा देने का काम किया सभी अधिवक्ता साथियों ने सन्त गाडगे महाराज जी के चित्र पर श्रद्धा सुमन अर्पित किए इस मौके एड. चन्द्रभान आदिम, एड. सन्तोष कुमार दोहरे, एड.अरविंद कुमार रविन्द्र नगरा, डॉ.पप्पू राम सहाय, एड.पी.डी.वर्मा, बट्टा गुरु पत्रकार,एड. शंकर सिंह एड. सुरेन्द्र शर्मा, एड. राजेन्द्र अहिरवार,एड.जुगल किशोर वर्मा,एड. बृजेंद्र यादव, एड.एन.पी.सिंह,एड.सुनीता केसरी, अभिषेक आदिम,एड. सुरेश चंद्रा , एड.कैलाश चन्द्र अहिरवार, एड.महेश नारायण वर्मा, एड. राम सहाय वर्मा, एड. राजेश बौद्ध, एड.राम प्रकाश मामू, एड.जितेन्द्र मौर्या, एड.राज योगेंद्र कुमार, एड.विनोद कुमार बाबूजी, एड.एन.डी.गौतम, एड.लक्ष्मण सिंह, एड.अभिषेक सिंह, , एड. मनोज कुमार वर्मा, एड.महेंद्र कुमार, एड.विनय कुमार, एड.विशाल बांगर, एड. शिवनारायण वर्मा, एड.एस.आर.माहौर, एड. अरविन्द वर्मा, सुधीर कुमार श्रीवास्तव, एड.गम्भीर देव, एड. किशन पाल, एड.अभिषेक सिंह एड.रोबिन वर्मा,आदि अधिवक्ताओ ने सन्त गाडगे महाराज जी को नमन किया। अन्त में सभी का आभार व्यक्त जिला संयोजक एड. पी.डी.वर्मा ने किया।

राष्ट्रीय संत गाडगे बाबा का महापरिनिर्वाण दिवस मनाया

झांसी। विश्व रजक महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रागी लाल राजन के मुख्य आतिथ्य में गाडगे चौक पर विश्व रजक महासंघ के तत्वावधान में सामाजिक परिवर्तन के अग्रदूत स्वच्छता अभियान के जनक राष्ट्रीय संत गाडगे बाबा का महापरिनिर्वाण दिवस मनाया गया। सर्व प्रथम पार्क में स्थित प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की गयी। इसके बाद गाडगे बाबा का संदेश भूंखे को अन्न,प्यासे को पानी , वस्त्र हीन को कपड़े,गरीब बच्चों को शिक्षा,बेघर लोगों को आसरा, बेरोजगारों को रोजगार,दुःखी और निराश लोगों को हिम्मत तथा गरीब और कमजोर लोगों की बेटियों की शादी शादी करो जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया। श्रद्धांजलि सभा में मुख्य रूप से दयाराम आजाद आईजी साहब,महेश शंकर वीडीओ, चंद्रभान आदिम एड.,शैलेन्द्र कुमार बुंदेला,सीताराम श्रीवास, हेमंत श्रीवास, जयप्रकाश वर्मा, ओमप्रकाश श्रीवास कोछाभांवर, बैनी प्रसाद आनंद, धर्मेंद्र कुमार श्रीवास, मनीष श्रीवास आदि उपस्थित रहे।संचालन विश्व रजक महासंघ के प्रदेश महासचिव खुशीराम वर्मा ने किया।

जेसीएल के आठवें संस्करण की हुई शुरुआत

डॉ. संदीप ने खिलाड़ियों को दिया संदेश

झाँसी। जागरण क्रिकेट लीग (जेसीएल) के आठवें संस्करण का शुभारंभ रेलवे इंस्टिट्यूट में 21 दिसंबर को किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जनपद के कई गणमान्य नागरिक सम्मिलित हुए जिनमें मुख्य रूप से मण्डलायुक्त विपिन कुमार दुबे, पुलिस उपमहानिरीक्षक केशव कुमार चौधरी, डॉ. संदीप सरावगी, उपाध्यक्ष झाँसी विकास प्राधिकरण आलोक यादव, पूर्व केंद्रीय मंत्री प्रदीप जैन आदित्य, आरपी निरंजन, आशीष उपाध्याय, एमएलसी बाबूलाल तिवारी, जिला पंचायत अध्यक्ष पवन गौतम, रामतीर्थ सिंघल आदि उपस्थित रहे। अतिथि के रूप में डॉ. संदीप के आगमन पर उन्होंने दोनों टीमों से हाथ मिलाकर मुलाकात की तत्पश्चात टॉस कर मैच की शुरुआत की गई। आयोजन को संबोधित करते हुए डॉ. संदीप ने कहा क्रिकेट हमारे देश का सर्वाधिक लोकप्रिय खेल है। समय-समय पर खेलों के आयोजन से प्रतिभाओं को उभरने का मौका मिलता है। कई खिलाड़ी ऐसे ही आयोजनों से निकलकर अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर ख्याति प्राप्त करते हैं और जनपद व देश का नाम रोशन करते हैं। मैं आयोजक मंडल को और आयोजन में सम्मिलित होने वाली समस्त टीमों को शुभकामनाएं देता हूं और यह कहना चाहूंगा हार जीत जीवन में लगी रहती है लेकिन मुख्य बात खेल भावना है जिसे हमें हमेशा दिल में रखकर ही मैदान में उतरना चाहिये। इस अवसर पर पुनीत अग्रवाल, संत सिंह सेरसा, संजीव श्रृंगिऋषि, पीयूष रावत, राजेश साहू, अमर सिद्ध, बृज बिहारी सोनी, मनमोहन गेड़ा, विकास पाटिल, तनवीर आलम, रवीश त्रिपाठी, शशिकांत द्विवेदी, सुशांत गुप्ता, संदीप नामदेव, राजू सेन, प्रमेन्द्र सिंह, अरुण पांचाल, बसंत गुप्ता आदि उपस्थित रहे।

अग्रवाल समाज ने ही अन्य सभी समाजों को परिचय सम्मेलन की दी प्रेरणा: राठौड़

भितरवार में आयोजित हुआ 120 वा अग्रवाल युवक युवती परिचय सम्मेलन

भितरवार। शनिवार को भितरवार में पहली बार अग्रवाल समाज के 120 बे युवक युवती परिचय सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न जगहों से पहुंचे 40 युवक युवतियों के द्वारा मंच पर अपना परिचय दिया तो विवाह योग्य 300 युवक युवतियों के परिचय की पत्रिका का भी विमोचन इस अवसर पर अतिथियों द्वारा किया गया।

भितरवार नगर की वार्ड क्रमांक 8 स्थित एक निजी स्कूल प्रांगण में अग्रवाल युवक युवती परिचय सम्मेलन एवं परिचय पत्रिका का विमोचन कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में भितरवार विधायक मोहन सिंह राठौर उपस्थित थे।कार्यक्रम की अध्यक्षता भितरवार नगर परिषद अध्यक्ष बलदेव अग्रवाल द्वारा की गई।

तो वही विशिष्ट अतिथि के रूप में सेवढा विधायक प्रदीप अग्रवाल, चेंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष डॉ प्रवीण अग्रवाल, अग्रवाल युवक युवती परिचय सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेश ऐरन मौजूद रहे। इस दौरान कार्यक्रम की शुरुआत अग्रवाल समाज की कुलदेवी माता लक्ष्मी एवं समाजवाद के प्रणेता एवं अग्रवाल समाज के वंशज महाराजा अग्रसेन जी के छायाचित्र पर अतिथियों के द्वारा दीप प्रज्वलित एवं पुष्पमाला अर्पित कर किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भितरवार विधायक मोहन सिंह राठौर ने कहा कि देश में परिचय सम्मेलन की शुरुआत अग्रवाल समाज ने की। जिसकी प्रेरणा लेकर सभी समाजों ने इस सामाजिक पहल को अपनाया है। वैसे भी अग्रवाल समाज देश के विकास और समृद्धि प्रदान करने वाले समाज के रूप में जाना जाता है। तो इस अवसर पर सेवढ़ा विधायक प्रदीप अग्रवाल ने कहा कि आज समाज में सामूहिक परिवारों की कमी होने की वजह से अब रिश्ते का न होना मुख्य वजह बन चुका है। इसीलिए एकल परिवारों से बच्चे सामूहिक परिवारों में रिश्ता जोड़े, वहीं कार्यक्रम में चैम्बर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष डॉ प्रवीण अग्रवाल ने कहा की परिचय सम्मेलन के माध्यम से अग्रबंधु अपनी सामाजिक जिम्मेदारी आसानी से निभाते हैं। अपने आप को कमजोर और लाचार न समझे क्योंकि आप ही सूर्यवंशी परिवार के क्षत्रिय हो। वहीं राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेश ऐरन ने कहा परिचय सम्मेलन ने पूरे देश में अग्र बंधुओं को जोड़ने का कार्य किया है ओर सैकड़ों रिश्ते जोड़े हैं। भितरवार नगर परिषद अध्यक्ष अध्यक्ष बलदेव अग्रवाल ने कहा समाज को संगठित करने के लिए आगे आना होगा।कार्यक्रम के अंत में आयोजन समिति द्वारा सभी अतिथियों को स्मृति चिन्ह और शॉल श्रीफल देकर सम्मानित किया गया। इस दौरान डबरा, ग्वालियर, मंगरौनी, नरवर, शिवपुरी, गुना, लुकवासा, बदरवास, कोलारस, पोहरी, दतिया इत्यादि स्थान से पहुंचे सामाजिक बंधुओं के विवाह योग्य लगभग 40 से अधिक युवक और युवतियों के द्वारा मंच पर पहुंचकर अपना परिचय दिया। इस दौरान कार्यक्रम का संचालन एडवोकेट हरीश अग्रवाल के द्वारा किया गया तो वहीं कार्यक्रम का स्वागत भाषण पूर्व जिला योजना समिति सदस्य अशोक अग्रवाल द्वारा दिया गया तो वहीं समापन पर आभार पार्षद राधेश्याम जैन द्वारा व्यक्त किया गया। तो वहीं कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में युवक युवती परिचय सम्मेलन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मुकेश सिंघल, कविता मंगल, दीप्ति बंसल, संगीता अग्रवाल, इतिशा अग्रवाल, नरेंद्र मंगल के अलावा भाजपा किसान मोर्चा प्रदेश कार्य समिति सदस्य डॉक्टर राधे लाल अग्रवाल, वरिष्ठ समाजसेवी नेमीचंद अग्रवाल, सुशील अग्रवाल, राधेश्याम जैन, गिर्राज अग्रवाल, निर्मल अग्रवाल, नवयुवक मंडल अध्यक्ष संदीप जैन, मनोज अग्रवाल, नंद कुमार अग्रवाल, पार्षद पति धर्मेंद्र अग्रवाल, पिंटू अग्रवाल, नरेंद्र अग्रवाल, आनंद अग्रवाल, डॉ केसी जैन, बृजेश अग्रवाल के अलावा विभिन्न जगहों से आए अग्रवाल समाज के सैकड़ो की तादाद में महिला पुरुष मौजूद थे।

संपादकीय

छत्तीसगढ़ की राजनीति और विकास में वन नेशन

विषय विवादास्पद है और इसे लेकर छत्तीसगढ़ सहित देश के सभी राज्यों में गहन चर्चा हो रही है। इसके समर्थकों का मानना है कि यह प्रशासनिक स्थिरता और विकास कार्यों में तेजी लाएगा, जबकि विरोधी इसे संघीय ढांचे और क्षेत्रीय मुद्दों के लिए हानिकारक मानते हैं। उनका मानना है कि वन नेशन, वन इलेक्शन की अवधारणा को लागू करना भारतीय संघीय ढांचे के खिलाफ है। केंद्र के साथ भाजपा शासित राज्य इस पहल का समर्थन करते है। भाजपा यह कह रही है कि इससे विकास कार्यों में तेजी आएगी और भ्रष्टाचार पर रोक लगेगी। बार-बार चुनाव होने के कारण राज्य की प्रशासनिक कामकाज प्रभावित होता है। आचार संहिता लागू होने से विकास कार्य रुक जाते हैं। यदि चुनाव एक साथ हों, तो विकास योजनाओं में रुकावट कम होगी और सरकारी धन का दुरुपयोग रोका जा सकेगा। कांग्रेस और गैर भाजपा शासित राज्य की पार्टियां तथा कुछ क्षेत्रीय दलों द्वारा विरोध देखने को मिल रहा है। उनका मानना है कि यह एक राजनीतिक एजेंडा है, जो क्षेत्रीय दलों को कमजोर करेगा इसके साथ ही यह राज्य की स्वायत्तता और संघीय ढांचे पर आघात है। एक साथ चुनाव होने से उन्हें बड़े राष्ट्रीय दलों के सामने संसाधनों और ध्यान के अभाव में नुकसान हो सकता है। छत्तीसगढ़ जैसे अन्य राज्यों में कई छोटे और क्षेत्रीय दल हैं, जिनका आधार स्थानीय मुद्दे होते हैं। क्षेत्रीय मुद्दे, जैसे आदिवासी अधिकार, खनन उद्योग के पर्यावरणीय प्रभाव, और किसानों की समस्याएं, राष्ट्रीय राजनीति के दबाव में दब सकते हैं। राष्ट्रीय मुद्दे चुनाव प्रचार में हावी हो सकते हैं, जिससे स्थानीय समस्याओं पर चर्चा सीमित हो जाएगी। देश में छत्तीसगढ़ जैसे आदिवासी बहुल राज्य भी है जिनमें बड़ी संख्या में आदिवासी समुदाय निवास करती है। छत्तीसगढ की राजनीति अक्सर क्षेत्रीय मुद्दों जैसे किसानों की समस्याएं, आदिवासी अधिकार, खनिज संसाधनों का उपयोग, और स्थानीय विकास परियोजनाओं के इर्द-गिर्द घूमती है। छत्तीसगढ़ जैसे विकासशील राज्य में वन नेशन, वन इलेक्शन से विकास परियोजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी आ सकती है। यह शिक्षा, स्वास्थ्य, बुनियादी ढांचे और रोजगार सृजन से संबंधित परियोजनाओं को समय पर पूरा करने में सहायक हो सकता है। यदि लोकसभा और विधानसभा चुनाव एक साथ होते हैं, तो राज्य और केंद्र सरकारों के बीच बेहतर तालमेल बन सकता है। यदि वन नेशन, वन इलेक्शन लागू होती है तो यह छत्तीसगढ़ के विकास और राजनीति पर गहरा प्रभाव डाल सकता है इससे छत्तीसगढ़ को केंद्र सरकार की योजनाओं का लाभ आगामी चुनावों में भी देखने को मिल सकता है।

> *"भारत में लोकतांत्रिक प्रणाली का आधार संघीय ढांचा है, जिसमें केंद्र और राज्यों के बीच शक्तियों का विभाजन है। वन नेशन, वन इलेक्शन की अवधारणा देश में चुनावी प्रक्रिया को एकीकृत और सरल बनाने की कोशिश है। इस विचार का उद्देश्य लोकसभा और सभी राज्यों की विधानसभाओं के चुनावों को एक साथ कराना है। इस पहल के समर्थक इसे समय, संसाधन और धन की बचत के साथ-साथ विकास कार्यों में बाधा कम करने का जरिया मानते हैं।"*

चिंतन/मनन

अहं भाव न पालें

एक बार देशभक्त वीर शिवाजी सज्जनगढ़ का किला बनवा रहे थे। हजारों मजदूर वहां काम करते थे। एक दिन शिवाजी किले को देखने गए। यंत्र की तरह उनको काम करते देखकर शिवाजी के मन में अहं आ गया। वे सोचने लगे- इन सबकी आजीविका मेरे द्वारा चलती है! इतने में उनके गुरू समर्थ रामदास स्वामी वहां पहुंच गए। त्रिकाल ज्ञान के द्वारा उन्होंने शिवाजी के मन की बात जान ली और निश्चय किया कि इसको प्रतिबोध देना जरूरी हो गया है। वास्तव में गुरू वे ही होते हैं, जो समय पर अनुयायियों को गिरने से बचा लें। स्वामी रामदास ने वहां काम करने वालों को आदेश दिया कि एक बड़ी चट्टान को तोड़ो। उनकी आज्ञा से चट्टान तोड़ी गई। भीतर पानी और मेंढक निकले। रामदास ने पूछा - शिवाजी ! इनका लालन-पालन कौन करता है?

शिवाजी - इनका पोषण प्रकृति से होता है, करता कोई नहीं।

रामदासजी- और इन मजदूरों का जीवन किससे चलता है?

शिवाजी ने गुरू के पैर पकड़ लिए और बोले- गुरुदेव ! आपने मुझे बचा लिया। आपने मेरे अभिमान को चूर-चूर कर सही रास्ता दिखा दिया। ये सब अपने पुरूषार्थ से जीते हैं। मेरा अहं झूठा था, मैं किसका पालन कर सकता हूं? कहने का अर्थ यह है कि मनुष्य प्रामाणिकता और चरित्र-निष्ठ से काम करे, पर मिथ्या अभिमान न करे। कुछ लोग सोचते हैं-हम ही सब कुछ करने वाले हैं। हम जमीन-आसमान एक कर देंगे। यही अहं भाव व्यक्ति को आगे नहीं बढ़ने देता।

अजब-गजब मप्र...

■ राकेश अचल

कंगाल मध्यप्रदेश में माल ही माल

कर्ज में गले-गले तक डूबी मध्यप्रदेश में धन की कोई कमी नहीं है। मप्र की सरकार निवेश के लिए विदेशों के चक्कर काट रही है जबकि मध्यप्रदेश में चौतरफा पैसा बिखरा पड़ा है। यहां तक कि मध्यप्रदेश में परिवहन विभाग के सिपाही तक करोड़पति है। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में आयकर विभाग को एक लावारिस कार से 52 किलो सोना और भारी मात्रा में कैश बरामद हुआ। कार रातीबड़ क्षेत्र के मेंडोरी के जंगल में लावारिस हालत में मिली है। पुलिस और इनकम टैक्स यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि कार में पैसे और सोना कौन छोड़ गया ? सोने की कीमत करीब 42 करोड़ बताई जा रही है, जबकि 10 करोड़ रुपये कैश भी जब्त किया गया है. फिलहाल इस पूरे मामले की जांच पड़ताल की जा रही है।

भोपाल में आयकर विभाग की टीम ने त्रिशूल कंस्ट्रक्शन कंपनी के मालिक राजेश शर्मा के ठिकानों पर बुधवार सुबह छापमारी की। शर्मा का नाम प्रदेश के एक पूर्व मंत्री और पूर्व मुख्य सचिव से जुड़ा है। आईटी की टीम ने भोपाल में 49, इंदौर में दो और ग्वालियर में एक जगह सर्च की। आयकर विभाग को राजेश शर्मा के 10 लॉकर्स की जानकारी मिली है, जिनमें भारी मात्रा में ज्वेलरी और अन्य मूल्यवान सामग्री पाई गई है। विभाग ने ज्वेलरी की वैल्यूएशन अभी तक नहीं की है।

इसके अलावा टीम ने दस्तावेज, कंप्यूटर डेटा, मोबाइल फोन और हार्ड डिस्क भी जब्त किए हैं। भोपाल के विभिन्न इलाकों जैसे नीलबड़, एमपी नगर, कस्तूरबा नगर, होशंगाबाद रोड और 10 नंबर मार्केट में छापेमारी जारी है। इंदौर में त्रिशूल कंस्ट्रक्शन के आदित्य गर्ग और ग्वालियर में रामवीर सिकरवार के ठिकानों पर भी छापे मारे गए। सिकरवार के पास पांच एकड़ जमीन खरीदने के दस्तावेज भी मिले हैं। इससे पहले उनके खिलाफ ईडी भी कार्रवाई कर चुका है। मप्र अभी तक ईडी के निशाने पर नहीं आया है। यहां किसी भी दल के नेता को अभी ईडी खोज नहीं पायी है।

मध्यप्रदेश भले ही आर्थिक रूप से पिछड़ा राज्य हो लेकिन यहाँ के नेता ही नहीं बल्कि सिपाही तक करोड़पति हैं। पिछले दिनों मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में परिवहन विभाग के पूर्व आरक्षक सौरभ शर्मा के घर करोड़ों रुपये नकद मिले हैं, जिसे देख अधिकारी भी दंग रह गए. दरअसल, लोकायुक्त पुलिस नेसौरभ शर्मा के दो ठिकानों पर छापा मारा. इस दौरान उनके घर से 4 करोड़ रुपये नकद मिले. वहीं छापेमारी के दौरान 50 लाख के सोने-हीरे, 60 किलों चांदी भी मिले हैं. सौरभ शर्मा के दो ठिकानों से टीम को 4 करोड़ रुपये नकद, 60 किलो चांदी, 50 लाख के सोने-हीरे के

जेवर, 4 एसयूवी, 22 प्रॉपर्टी के दस्तावेज और नोट गिनने की 7 मशीनें भी मिली हैं। अब आप कल्पना कीजिये की यदि परिवहन मंत्री के घर छापा मारा जाये तो कितना माल मिल सकता है ?

मध्यप्रदेश में एक लम्बे आरसे तक मुख्यमंत्री रहे शिवराज सिंह चौहान की पत्नी के बारे में ये खबरें चला करतीं थीं कि उन्होंने मुख्यमंत्री आवास में नोट गिनने की मशीनें लगा रखीं हैं ,तब लोग हँसते थे ,लेकिन एक पूर्व सिपाही के घर इन मशीनों का मिलना ये संकेत देता है कि मुख्यमंत्री आवास में इन मशीनों के होने की खबरें भी निराधार नहीं थीं,लेकिन कोई ईडी,कोई सीबीआई ,कोई लोकायुक्त मुख्यमंत्री निवास तक पहुँचने का साहस नहीं दिखा सका। गरीब मध्यप्रदेश में शिवराज सिंह चौहान मंत्रिमंडल के एक मंत्री के बच्चे के स्कूली बास्ते से तक नॉट टपक पड़े थे, बाद में इस मामले को रफा-दफा कर दिया गया।

मध्यप्रदेश में सरकारी राजस्व की चोरी की वजह से ही सरकार गले-गले तक कर्ज में डूबी है। अब प्रदेश सरकार अब तक का सर्वाधिक कर्ज लेने की तैयारी में है। यह कर्ज 88 हजार 540 करोड़ रुपये का होगा। मप्र सरकार, 73 हजार 540 करोड़ रुपये बाजार से और 15 हजार करोड़ रुपये केंद्र सरकार से कर्ज लेगी।आपको बता दें कि मप्र सरकार द्वारा लिया जाने वाला यह कर्ज पिछले वित्तीय वर्ष 2023-24 के मुकाबले 38 प्रतिशत ज्यादा है। गौरतलब है कि साल 2023-24 में मध्य प्रदेश सरकार ने 55 हजार 708 रुपए का कर्ज लिया था। हालांकि सरकार निश्चित हैं, ज्यादा कर्ज लेने से उसे कोई फर्क नहीं पड़ेगा, उप मुख्यमंत्री और वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा कहते हैं कि सबकुछ नियम के अनुसार ही लिया जा रहा है। उनका कहना है कि सरकार विकास के लिए कर्ज लेती भी है और समय पर उसका भुगतान भी करती है।

मध्यप्रदेश में परिवहन,आबकारी ,और खनिज विभाग अवैध कमाई के सबसे बड़े स्त्रोत्र हैं। इन महकमों में नौकरी करने वाले चपरासी तक करोड़पति हैं। इन तीन विभागों के बाद राजस्व विभाग का नंबर आता है । राजस्व महकमें में पटवारियों की हैसियत किसी भी उद्योगपति से कम नहीं है । पिछले दिनों इंदौर समभाग के 3 पटवारियों को कदाचरण के आरोप में निलंबित किया गया तो पूरे प्रदेश के पटवारी हड़ताल पर चले गए थे। इसी मध्यप्रदेश में एक प्रमुख सचिव के आवास से छापे में 300 करोड़ रूपये की जब्ती का मामला आपको याद होगा।सिंचाई विभाग के इस महाघोटाले के आरोपी आईएएस दम्पति का निधन हो चुका है। यानि यदि सरकार अपने प्रदेश में भ्र्ष्टाचार के खिलाफ ही मुहीम चला ले तो उसे कर्ज से निजात मिल सकती है।

संसद में घमासन.....

■ किशन सनमुखदास भावनानी

शाबाश? हमारे चुने हुए प्रतिनिधियों-एफआईआर बनाम एफआईआर

वैश्विक स्तरपर दुनियाँ के सबसे बड़े लोकतंत्र जिसके बारे में पूरी दुनियाँ चर्चा करती है। दूसरी ओर भारत का संविधान जो हमारे लिए पूज्यनीय है, परंतु इसके ऊपर ही संसद में चर्चा पर घमासान मचा हुआ है। दरअसल संसद के ऊपरी सदन में माननीय गृहमंत्री ने संविधान पर चर्चा का जवाब देते हुए कुछ ऐसा जुमला बोला कि विपक्ष ने उसे हाथों- हाथ लपक लिया, उसे मुद्दा बनाकर गृहमंत्री के पद छोड़नें की मांग तक की बात बना दी जिसके बचाव में माननीय पीएम सहित अनेक मंत्री सामने आए व गृहमंत्री ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस लेकर कहां की उसके बयान को एआई की मदद से तोड़ मरोड़ कर एक अंश को प्रस्तुत किया गया है जिसपर दो दिनों से घमासान चल रहा है, परंतु गुरुवार दिनांक 19 नवंबर 2024 का दिन संसद क़े काला दिवस के रूप में माना जा सकता है,जहां शाब्दिक घमासान ने धक्का मुकी का रूप ले लिया, जिसमें दो सांसद महोदय घायल हो गए हैं व अस्पताल में भर्ती है,तथा दोनों प्रमुख पार्टियों ने एक दूसरे के खिलाफ़ पुलिसथाने में एफआईआर दर्ज करा दी है सताधारी पार्टी ने नए आईपीसी कानून की धारा 115 117 125 131 351 3(5) तो विपक्षी बड़ी पार्टी ने 114 115 116 117 129 130 131 133 धाराओं के अंतर्गत सांसद मार्ग पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज की है जो मैंने एफआईआर के लिए दी गई पांच पुष्ठों की कॉपी देखी उसमें करीब 15 संसद सदस्यों के हस्ताक्षर भी हैं, जो मैंने अपने 40 वर्षों के स्तंभकार लेखन के करियर में शायद पहली बार ही यह देखा हूं, क्योंकि लोकतंत्र के मंदिर में अपने प्रतिनिधियों की धक्कामुकी बाचाबाची देखकर मतदाता,जनता हैरान है,इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, संसद में धमासान शाबाश? हमारे चुने हुए प्रतिनिधियों एफआईआर बनाम एफआईआर।

साथियों बात अगर हम गुरुवार दिनांक 19 नवंबर 2024 को संसद परिक्षेत्र में धक्कामुक्की करें तो, बाबासाहेब आंबेडकर से संबंधित मुद्दे पर विपक्ष और सत्तापक्ष के सदस्यों ने गुरुवार को संसद परिसर में प्रदर्शन किया और इस दौरान उनकी कथित तौर पर धक्का-मुक्की भी हुई। सत्ताधारी पार्टी का आरोप है कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने धक्का-मुक्की की जिस वजह से उसके बुजुर्ग सांसद प्रताप सारंगी चोटिल हुए। सारंगी को राम मनोहर लोहिया अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहीं कांग्रेस का आरोप है कि पार्टी मुद्दे से ध्यान भटकाने की कोशिश कर रही है। दोनों पार्टियों ने एक दूसरे के खिलाफ दिल्ली पुलिस से शिकायत भी दर्ज कराई है।कांग्रेस ने एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा, गृह मंत्री ने संसद में बाबासाहेब का अपमान किया है। आज बाबासाहेब के अपमान के खिलाफ संसद परिसर में इंडिया गठबंधन के सांसद प्रदर्शन कर रहे थे। जब इंडिया गठबंधन के सांसद मकर द्वार पहुंचे तो वहां पहले से मौजूद पार्टी के सांसदों ने कांग्रेस अध्यक्ष और नेता विपक्ष के साथ धक्का-मुक्की और बदसलूकी की। इस दौरान कांग्रेस अध्यक्ष को चोट भी आई है सत्ताधारी पार्टी की इस गुंडागर्दी के खिलाफ आज कांग्रेस के सांसदों ने

संसद मार्ग स्थित पुलिस थाने में बदसलूकी करने वाले सांसदों के खिलाफ शिकायत दर्ज करवाई।लोकसभा स्पीकर को भी लिखा पत्र इसके अलावा कांग्रेस सांसदों ने लोकसभा अध्यक्ष को पत्र लिखकर दावा किया कि बीजेपी के तीन सांसदों ने संसद परिसर में नेता प्रतिपक्ष के साथ धक्का-मुक्की की, जो न सिर्फ कांग्रेस नेता की गरिमा पर हमला है, बल्कि संसद की लोकतांत्रिक भावना के विपरीत भी है। उन्होंने बिरला से आग्रह किया कि इस मामले में वह उचित कार्रवाई करें। कांग्रेस सांसदों ने कहा, 'हमें उम्मीद है कि आप इस मामले को पूरी गंभीरता से लेंगे और उचित कार्रवाई करेंगे।

साथियों बात अगर हम इस धक्कामुक्की का मामला पुलिस थाने की दहलीज पर पहुंचने पर एफआईआर बनाम एफआईआर की करें तो, संसद भवन में गुरुवार को हुई धक्का-मुक्की के बाद लोकसभा सदस्य अनुराग ठाकुर और बांसुरी स्वराज ने नेता प्रतिपक्ष के खिलाफ दिल्ली पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है।इस मामले में नेताओं ने राहुल गांधी के खिलाफ लोकसभा अध्यक्ष और राज्यसभा के सभापति से भी शिकायतें की हैं।संसद मार्ग थाने में शिकायत दर्ज कराने के बाद अनुराग ठाकुर ने पत्रकारों से कहा कि के द्वारा शारीरिक हमला और उकसाने के लिए उनके खिलाफ दिल्ली पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने कहा कि एनडीए के सांसद शांतिपूर्ण तरीके से कांग्रेस के झूठ के प्रोपेगेंडा को बेनकाब कर रहे थे और उनसे माफी की मांग कर रहे थे। उसी समय राहुल गांधी अपने इंडी गठबंधन के सांसदों के साथ आए और तय रास्ते से न जाकर एनडीए के सांसदों के बीच आ गए। उन्होंने अपनी पार्टी के सदस्यों को उकसाया भी और दुर्भावनापूर्ण रवैये के साथ आगे बढ़े।राहुल गांधी के खिलाफ उन्होंने बीएनएस की धारा 109, 115, 117, 125, 131 और 351 के तहत शिकायत दर्ज कराई है। इसमें 109 हत्या का प्रयास और 117 स्वेच्छा से गंभीर चोट पहुंचाने का मामला है।दूसरी तरफ, मणिपुर से भाजपा की महिला राज्यसभा सांसद एस. फांगनोन कोन्याक ने राहुल गांधी पर दुर्व्यवहार का आरोप लगाया। उन्होंने सभापति को पत्र लिखकर राहुल गांधी बताया कि वह बाबा साहेब अंबेडकर के खिलाफ कांग्रेस पार्टी द्वारा किए गए अत्याचारों के विरोध में शांतिपूर्ण विरोध-प्रदर्शन में भाग ले रही थीं, तभी यह घटना हुई।कोन्याक ने चिट्ठी में बताया, मैं मकर द्वार की सीढ़ियों के नीचे हाथ में तख्ती लेकर खड़ी थी। सुरक्षाकर्मियों ने वहां घेराबंदी कर दूसरे दलों के सांसदों के प्रवेश के लिए एक रास्ता बनाया हुआ था। उसी समय राहुल गांधी अपनी पार्टी के अन्य सांसदों के साथ मेरे सामने आ गए, जबकि उनके लिए अलग रास्ता बनाया हुआ था। उन्होंने ऊंची आवाज में मेरे साथ दुर्व्यवहार किया और वह मेरे इतने करीब थे कि एक महिला सदस्य होने के नाते मैं बहुत असहज महसूस कर रही थी।. कांग्रेस ने भी बीजेपी सांसदों के खिलाफ दर्ज कराई शिकायतसंसद भवन परिसर में हुई हाथापाई को लेकर कांग्रेस ने भी बीजेपी सांसदों के खिलाफ दिल्ली पुलिस से शिकायत दर्ज कराई। कांग्रेस ने बीजेपी सांसदों पर अध्यक्ष के साथ दुर्व्यवहार करने का आरोप लगाया। इसके अलावा कांग्रेस ने लोकसभा अध्यक्ष को पत्र लिखकर दावा किया कि बीजेपी के तीन सांसदों ने संसद परिसर में नेता प्रतिपक्ष के साथ धक्का-मुक्की की। कांग्रेस ने स्पीकर से उचित कार्रवाई की मांग की। अतः अगर हम उपरोक्त पुरे विवरण का अध्ययन करें इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि संसद में घमासान - शाबाश? हमारे चुने हुए प्रतिनिधियों- एफआईआर बनाम एफआईआर लोकतंत्र के मंदिर में अपने प्रतिनिधियों की धक्कामुक्की बाचाबाची देखकर मतदाता, जनता हैरान.बाबासाहेब आंबेडकर मुद्दे पर छिड़ा घमासान धक्का मुक्की से लेकर, पुलिस थाने की दहलीज़ तक पहुंचा- मतदाता दंग उनका भ्रम भंग।

(-संकलनकर्ता लेखक - क़र विशेषज्ञ स्तंभकार साहित्यकार अंतरराष्ट्रीय लेखक चिंतक कवि संगीत माध्यमा सीए(एटीसी) एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र)

मेष
आज का दिन आपके लिए किसी बड़े लक्ष्य की पूर्ति के लिए रहेगा। आपको कुछ विशेष व्यक्तियों से मिलने का मौका मिलेगा। आप अपने कामों को लेकर योजना बनाकर चलेंगे, तो आपके काम आसानी से पूरे होते चले जाएंगे। कार्यक्षेत्र में आप अपने गुस्से पर नियंत्रण रखें, नहीं तो इससे स्थिति बेकाबू हो सकती है। बैंकिंग क्षेत्रों में कार्यरत लोग किसी अच्छी स्कीम में इन्वेस्टमेंट कर सकते हैं।

वृष
आज का दिन आपके लिए सकारात्मक परिणाम लेकर आएगा। आपके घर किसी अतिथि का आगमन होने से माहौल खुशनुमा रहेगा। आपको कुछ निवेश संबंधी मामलों में पूरा ध्यान देने की आवश्यकता है। भाई व बहनों से यदि किसी बात को लेकर खटपट चल रही थी, तो वह भी दूर होगी। आपने यदि किसी से कोई वादा किया था, तो उसे पूरा करने कि आप कोशिश करेंगे। आपके कामों को लेकर भागदौड़ अधिक रहेगी। संतान को यदि आपने कोई जिम्मेदारी दी थी, तो वह भी उसे आसानी से पूरा करेगी।

मिथुन
आज का दिन आपके लिए मिश्रित रूप से फलदायक रहने वाला है। किसी सामाजिक कार्यक्रम से आपको जुड़ने का मौका मिलेगा। जीवनसाथी को कार्यक्षेत्र में कोई समस्या हो सकती है, जिसके लिए आप किसी काम की शुरुआत भी कर सकते हैं। आपको धन को लेकर किसी पर भरोसा करने से बचना होगा, नहीं तो वह आपके उसे भरोसे को तोड़ सकता है। आपका कोई पुरानी बीमारी उभरने की संभावना है।

कर्क
आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहने वाला है। आपकी धार्मिक कार्यों में खूब रुचि रहेगी। आपकी संतान को किसी नौकरी के मिलने से माहौल खुशनुमा रहेगा। आप अपनी ऊर्जा को सही कामों में लगाएं, क्योंकि आप इधर-उधर के कामों में लगकर अपना काफी समय बर्बाद करेंगे। कोई कानूनी मामला यदि लंबे समय से विवादित चल रहा था, तो उसमें आपको जीत मिलेगी। आपको जिम्मेदारियों पर पूरा ध्यान देने की आवश्यकता है।

सिंह
आज का दिन आपके लिए मेहनत से काम करने के लिए रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपको योग्यता अनुसार काम मिलेगा। आपके परिवार में किसी सदस्य के करियर को लेकर कोई महत्वपूर्ण निर्णय लेना पड़ सकता है। यदि परिवार में कोई वाद-विवाद की स्थिति उत्पन्न हो, तो आप उसे शांत रहकर सुलझाने की कोशिश करें। आपके पारिवारिक रिश्तों में खटास आ सकती है। ससुराल पक्ष के किसी व्यक्ति से यदि आप धन उधार लेंगे, तो वह भी आपको आसानी से मिल जाएगा।

कन्या
आज का दिन आपके लिए मेहनत और लगन से काम करने के लिए रहेगा। आध्यात्म के क्षेत्रों में आप आगे बढ़ेंगे। यदि कोई समस्या लंबे समय से आपको परेशान कर रही थी, तो वह भी दूर होगी। आपकी मेहनत रंग लाएगी। आपको जल्दबाजी के कारण किसी समस्या का सामना करना पड़ सकता है। तरक्की की राह में आ रही बाधाएं दूर होंगी। आपको अपनी किसी पुरानी गलती से सबक लेना होगा। विद्यार्थियों को काम को लेकर कोई समस्या हो सकती है।

तुला
आज का दिन आपके लिए प्रसन्नता दिलाने वाला रहेगा। आपकी कामों में सक्रियता बढ़ेगी। आपके मन में यदि किसी काम को लेकर कोई समस्या थी, तो वह भी दूर होगी। बच्चों के प्रति आपको थोड़ा ध्यान देना होगा, क्योंकि उनके स्वभाव में चिड़चिड़ाहट पढ़ाई में समस्या आने की वजह से हो सकता है। आपको बिजनेस के कामों को लेकर किसी यात्रा पर जा सकते हैं, जो आपके लिए लाभदायक रहेगी। आपको किसी की कहीसुनी बातों पर भरोसा करने से बचना होगा।

वृश्चिक
आज का दिन आपके लिए मिलाजुला रहने वाला है। आपने किसी काम को लेकर यदि कोई उम्मीद लगा रखी थी, तो वह पूरी होगी। कार्यक्षेत्र में आप खुद को साबित करने के चक्कर में काफी समय बर्बाद कर सकते हैं। आपको किसी काम को लेकर बेवजह लापरवाही करने से बचना होगा। प्रॉपर्टी में इन्वेस्टमेंट करना आपके लिए अच्छा रहेगा। आपको बड़े सदस्यों से काम को लेकर कोई सलाह लेनी पड़ सकती है। आपकी कोई मन की इच्छा पूरी होने से खुशी होगी।

धनु
आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहने वाला है। आपके अनुभवों का कार्यक्षेत्र में आपको लाभ मिलेगा। आपको अपना एक उद्देश्य पकड़कर रखना होगा, जिससे आप काम को करने में काफी हद तक आगे रहेंगे। आप कुछ बेहतर करने की कोशिश में लगे रहेंगे, जिस कारण आप अपने कामों में भी कुछ बदलाव कर सकते हैं। आप किसी बात को लेकर बेवजह क्रोध में आएं, नहीं तो आपकी वह आदत परिवार के सदस्यों को पसंद नहीं आएगी। घूमने-फिरने के दौरान कोई महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त होगी।

मकर
आज का दिन आपके लिए जिम्मेदारी से काम करने के लिए रहेगा। आप किसी प्रॉपर्टी को खरीदने या बेचने की योजना बना सकते हैं। आप कामों को लेकर अधिक व्यस्त रहेंगे, जिससे आप अपनी संतान पर पूरी निगरानी बनाकर रखें, क्योंकि वह किसी गलत दिशा में आगे बढ़ सकती हैं। पार्टनरशिप में यदि आपने कोई काम किया है, तो उसमें आपके पार्टनर पर आपको भरोसा नहीं करना है। आध्यात्म के कार्यों में आपकी काफी रुचि रहेगी।

कुंभ
आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। यदि आपको काम को लेकर कोई समस्या चल रही थी, तो वह भी दूर होगी। बिजनेस में किसी डील को लेकर यदि आप परेशान थे, तो उससे भी आपको छुटकारा मिलेगा। आपके आर्थिक प्रयास बेहतर रहेंगे। आपका अपने किसी परिजन से किसी बात को लेकर मन मनमुटाव हो सकता है, इसलिए आप कोई बात सोच समझकर बोले। नौकरी में कार्यरत लोगो को मनपसंद काम मिलने से उनकी खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा।

मीन
आज का दिन आपके लिए अपने दिनचर्या को बेहतर बनाए रखने के लिए रहेगा। आप अपने जीवनसाथी के लिए कोई फैसला बहुत ही सोच समझकर ले। आपकी सकारात्मक सोच का आप कार्यक्षेत्र में लाभ उठाएंगे। आपको कुछ विशेष व्यक्तियों से मिलने का मौका मिलेगा। आपकी नेतृत्व क्षमता बढ़ेगी। मित्रों से यदि किसी बात को लेकर कोई खटपट चल रही थी, तो वह भी दूर होती दिख रही है। परिवार में सभी सदस्य एकजुट नजर आएंगे, जिससे आपका मन खुश रहेगा।

आमजन के जीवन को खुशहाल बनाना जनकल्याण अभियान का प्रमुख उद्देश्य : मंत्री श्री शुक्ला

नवकरणीय ऊर्जा मंत्री ने की जनकल्याण अभियान एवं विभागीय कार्यों की समीक्षा

भारतमत रिपोर्टर

भिण्ड। नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री राकेश शुक्ला ने जनपद पंचायत मेहगांव के सभाकक्ष में आयोजित जनकल्याण अभियान तथा खण्ड स्तरीय अधिकारियों की विभागीय गतिविधियों की समीक्षा बैठक के दौरान बताया कि केंद्र और प्रदेश सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनओं के माध्यम से हर जरूरतमंद और प्रत्येक पात्र व्यक्ति के जीवन स्तर मे बदलाव लाकर उनके जीवन को खुशहाल बनाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि लोगों का कल्याण और विकास ही हम सभी का उद्देश्य है, इसलिए सभी समन्वय के साथ पूरे समर्पण के साथ अपने उत्तरदायित्व का निर्वहन करें। कोई भी पात्र व्यक्ति शासन की योजनाओं का लाभ पाने से वंचित न रहे। नवकरणीय ऊर्जा मंत्री ने कहा कि जनकल्याण अभियान के अंतर्गत नगरीय निकाय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में सभी वार्ड एवं गांव-गांव शिविर लगाकर तथा सर्वे दलों द्वारा लोगों के घर-घर जाकर सर्वे कर ऐसे पात्र हितग्राहियों को चिन्हित कर उन्हें लाभान्वित किया जाए। जनकल्याण अभियान अंतर्गत आयोजित शिविरों का व्यापक स्तर पर प्रचार-प्रसार कर जनप्रतिनिधियों को आमंत्रित कर शिविर का आयोजन किया जाए ताकि अधिक से अधिक आमजनों को योजनाओं का लाभ मिल सके। उन्होंने सुशासन सप्ताह के तहत प्रशासन गांव की ओर अभियान एवं राजस्व महाअभियान 3.0 की समीक्षा कर

कहा कि राजस्व विभाग द्वारा नामांतरण, बटवारा, अभिलेख दुरुस्ती, सीमांकन, नक्शा तरमीम तथा आधार से खसरा लिंकिंग जैसे सभी प्रकरण जल्द से जल्द निराकृत किए जाएं, इन सभी मामलों के लिए आमजन को भटकना नहीं पड़े तथा कड़े लफ्जों में कहा कि अधिकारी आम जनता को बार-बार चक्कर न लगवाएं सभी पात्र व्यक्तियों का समय सीमा में निराकरण करने के निर्देश दिए, यही इस अभियान का उद्देश्य है और यही मुख्यमंत्री जी की मंशा है।मंत्री श्री शुक्ला ने 10 जनवरी 2025 को विधानसभा क्षेत्र मेहगांव में आयोजित होने वाले रोजगार मेला की तैयारियों के संबंध में जानकारी ली एवं श्रम निरीक्षक को आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने पुराने बस स्टैंड, नगर परिषद एवं जनपद पंचायत भवन के सीमांकन हेतु एसडीएम मेहगांव को निर्देशित किया। साथ ही नगर परिषद मेहगांव की सब्जी मंडी के पास सड़क चौड़ीकरण की कार्रवाई किए जाने हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि मुक्तिधाम अतिक्रमण से मुक्त कराया जाए एवं जीर्ण-शीर्ण अवस्था में मुक्तिधाम को दुरस्त कराया जाए। बैठक के दौरान एसडीएम मेहगांव नवनीत शर्मा ने विधानसभा क्षेत्र मेहगांव में जनकल्याण के लिए चलाए गए अभियानों, नवाचारों, कार्यक्रमों तथा विभिन्न विभागों द्वारा संचालित योजनाओं की प्रगति और उपलब्धि की विस्तार से जानकारी दी। बैठक में एसडीएम मेहगांव नवनीत शर्मा, एसडीओपी मेहगांव संजय सहित अन्य विकास खण्डों के अधिकारीगण उपस्थित थे।

दबोह सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में ध्यान दिवस मनाया गया

भारतमत रिपोर्टर

दबोह। नगर के सरस्वती शिशु विद्या मंदिर हाई स्कूल दबोह में मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद एवं हार्टफुलनैस संस्थान हैदराबाद के संयुक्त तत्वावधान में नवांकर संस्था अवध समाज सेवा समिति चढ़ौआ द्वारा विश्व ध्यान दिवस मनाया गया, जिसमें मुख्य अतिथि सुनील कुमार चतुर्वेदी ब्लॉक समन्वयक मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद लहार रहे। सर्व प्रथम सभी अतिथियों ने मां सरस्वती का पूजन किया। तत्पश्चात संस्था प्रमुख रणवीर सिंह कौरव ने उपस्थित छात्र छात्राओं को कार्यक्रम की रूपरेखा बताते हुए कहा कि ध्यान हमारे जीवन में बहुत आवश्यक है, जिसके नियमित करने से हमें तनाव से मुक्ति मिलती है। मुख्य अतिथि ने बताया गया कि हम कितने भी तनाव में हों, एकान्त स्थान पर कम से कम 5 मिनट ध्यान करने से एक नई ऊर्जा मिलेती है और तनाव से मुक्ति मिलती है।साथ ही उन्होंने सभी छात्रों से अपील करते हुए कहा कि वह अपने जीवन में सभी प्रकार के नशे से दूर रहें, उसे अपने आसपास भी न भटकने दें। अंत में संस्था प्रमुख रणवीर सिंह कौरव द्वारा विद्यालय परिवार एवं अतिथियों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर आचार्य पूरन सिंह कौरव, आचार्य सनत कुमार उपाध्याय, आचार्य विष्णु चतुर्वेदी, आचार्य विकास, समस्त दीदी एवं भैया, बहन उपस्थित रहे।

सभी वर्ग जाति समुदाय संपर्क के लिए ध्यान आवश्यक : शर्मा

अंतरराष्ट्रीय ध्यान दिवस पर कराया ध्यान

भारतमत रिपोर्टर

मेहगांव। विश्व ध्यान योग दिवस के अवसर पर मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद विकास खण्ड मेहगांव के समन्वयक जय प्रकाश शर्मा के मार्गदर्शन में ग्राम नीमगांव के शासकीय माध्यमिक विद्यालय में शनिवार को परिषद की टीम के द्वारा लोगों को ध्यान, योग और प्रार्थना कराई गई। विकास खण्ड समन्वयक जय प्रकाश शर्मा ने बताया कि ध्यान, योग और प्रार्थना का हमारे जीवन में बहुत ही महत्वपूर्ण स्थान है। इससे मानसिक शांति के साथ स्वस्थ जीवन मिलता है। ध्यान से हमारे भीतर सरलता, विनम्रता, पवित्रता, करुणा, ईमानदारी, संतोष, सच्चाई, क्षमा, उदारता, स्वीकार्यता आदि गुण प्रकट होने लगते हैं। हमारे विचारों और भावनाओं की जड़ें हृदय में होती हैं और उसी प्रकार हमारे हृदय की दशा हमारी मानसिक, भावनात्मक और आध्यात्मिक अवस्थाओं का निर्धारण करती है। जन अभियान परिषद ध्यान, योग और प्रार्थना के लिए श्रीरामचन्द्र मिशन के साथ भी गांव गांव में ध्यान, योग और प्रार्थना के लिए हार्टफुलनेश केन्द्र हैदराबाद से लोगों को जोड़े हुए हैं। इस अवसर पर मेंटर्स अनिल कुमार शर्मा, ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति नीमगांव के रविकांत, सीएमसी एलडीपी छात्र मुस्कान, बृजेश तिवारी, श्रीकांत त्रिपाठी, राजुल शाक्य, शैलेंद्र सिंह जादौन, धर्म सिंह बझेया, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता विजयकांती, जगदीश पाराशर, रामनरेश, वृंदावन कुशवाह, कृष्णकांत, छेटू सहित आधा सैकड़ा से अधिक लोगों ने सहभागिता की।

शासकीय हाईस्कूल में कराया योग

मप्र जन अभियान परिषद द्वारा मेहगांव के शासकीय हाईस्कूल में भी योग कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर परिषद के मेहगांव विकास खण्ड समन्वयक जय प्रकाश शर्मा ने स्कूली बच्चों को योग के लाभ बताए और प्रतिदिन योग करने के लिए प्रेरित किया। डॉ. साधना सिंह, संस्था प्राचार्य अवध बिहारी ने भी बच्चों को संबोधित किया। नावांकुर संस्था त्यागी गालव एवं शिक्षा प्रसार कल्याण समिति से श्याम सुंदर त्यागी द्वारा कार्यक्रम का संचालन एवं आभार व्यक्त किया गया। इस मौके पर हृदेश कुमार व्यास, शशिकांत त्रिपाठी, राजकुमार राजौरिया, बृजेंद्र कुमार भगत, दिनेश शर्मा, रामसिया सहित अनेक लोग और स्कूली छात्र मौजूद रहे।

जो काम प्रेम-भाव से सम्भव है, हिंसा से नहीं : शास्त्री

ग्राम मिहोनी में कथा के समापन दिवस पर कथा वाचक ने किए प्रवचन

भारतमत रिपोर्टर

भिण्ड। अटेर क्षेत्र के ग्राम मिहोनी शाला वाले हनुमान मंदिर पर चल रही श्रीमद् भागवत कथा के अंतिम दिन पं. आशीष शास्त्री के मुखार बिंद से हजारों भक्तों ने कथा का रसपान किया। इन सात दिनों में उन्होंने कथा में चार वेद, गीता पुराण की व्याख्या करते हुए भगवान श्रीकृष्ण के वात्सल्य प्रेम, बालपन प्रेम, असीम प्रेम के अलावा उनके द्वारा की गईं विभिन्न लीलाओं का वर्णन किया। उन्होंने वर्तमान समय में समाज मे व्याप्त अत्याचार, अनाचार, कटुता, कुविचार को दूर कर सुंदर समाज के निर्माण के लिए युवाओं को प्रेरित किया। इस धार्मिक अनुष्ठान के सात दिवस में उन्होंने भगवान श्रीकृष्ण की सर्वोपरि बाललीला, रासलीला, मथुरा गमन, कंसवध, कुब्जा उद्धार, शिशुपाल बध, रुक्मणी विवाह, कालीदाह लीला व सुदामा चरित्र का वर्णन कर भक्ति रस में डुबो दिया। इस दौरान भजन गायन ने उपस्थित श्रद्धालुओं को ताल और धुन पर नृत्य करने के लिए विवश कर दिया। शास्त्री जी ने सुंदर समाज निर्माण के लिए उपदेश के माध्यम अपने को उस आचरण करने की बात कही। उन्होंने कहा कि जो काम प्रेम-भाव से सम्भव है हिंसा से नहीं। इस सात दिवसीय कथा में आस-पास के गांव के अलावा दूर दराज से भी काफी संख्या में महिलाएं व पुरुषों ने आनन्द उठाया। परीक्षित गीता देवी व आयोजक कुलदीप तिवारी ने दूर-दूर से कथा सुनने आ रहे श्रद्धालुओं का सम्मान किया।

डॉ. अन्नपूर्णा भदौरिया की स्मृति में कार्यक्रम ग्वालियर में आज

भिण्ड से जाएंगे कई साहित्यकार, सम्मान समारोह व कवि सम्मेलन का होगा आयोजन

भारतमत रिपोर्टर

ग्वालियर। संभाग एवं प्रदेश की सुप्रसिद्ध साहित्यकार स्व. अन्नपूर्णा भदौरिया की स्मृति में सम्मान समारोह एवं कवि सम्मेलन का आयोजन आज 22 दिसम्बर को ग्वालियर में किया जाएगा। इस कार्यक्रम में शामिल होने के लिए भिण्ड जिले से कई साहित्यकार ग्वालियर जा रहे हैं। जानकारी देते हुए भिण्ड के वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. सुखदेव सिंह सेंगर ने बताया कि कार्यक्रम में शामिल होने के लिए जिले से कई साहित्यकार ग्वालियर के लिए आज रवाना होंगे। कार्यक्रम का आयोजन आज 22 दिसम्बर को सायं तीन बजे से मानिक विलास कॉलोनी ग्वालियर स्थित होटल लैंडमार्क में किया जाएगा। इसमें बतौर अतिथि संत कृपाल सिंह जी, वरिष्ठ साहित्यकार जगदीश तोमर एवं पूर्व कमिश्नर राजीव शर्मा आयएएस मौजूद रहेंगे। इस मौके पर पुलिस प्रशिक्षण शाला तिघरा की पुलिस अधीक्षक सुश्री सुमन गुर्जर का सम्मान किया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान आयोजित कवि सम्मेलन में ख्याति नाम कवि एवं कवियत्री डॉ. कीर्ति काले दिल्ली, मनु वैशाली दिल्ली, शिवांगी प्रेरणा भोपाल एवं राहुल शर्मा मुरादाबाद की काव्य रचनाओं को सुनने का अवसर प्राप्त होगा। कार्यक्रम में शहर, जिला एवं संभाग भर के अनेक साहित्यकारों की मौजूदगी रहेगी।

बाबा साहेब का अपमान कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा : मानसिंह

-डॉ. अंबेडकर की प्रतिमा के सामने मुंह पर काली पट्टी बांधकर मौन स्वरूप विरोध दर्ज कराया

भारतमत रिपोर्टर

भिण्ड। कांग्रेस जिलाध्यक्ष मानसिंह कुशवाह ने केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा लोकसभा में संविधान निर्माता बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर के प्रति अपमानजनक शब्दों का प्रयोग किये जाने की घोर निंदा करते हुए कहा कि बाबा साहेब डॉ भीमराव अंबेडकर जी का अपमान कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के नेताओं द्वारा संविधान निर्माता डॉ भीमराव अंबेडकर जी के लिए बार बार अपमानजनक बातें कही जा रही है जो बहुत ही निंदनीय है समूची कांग्रेस पार्टी भाजपा के वरिष्ठ नेता अमित शाह के बयानों की घोर निंदा करते हैं। भिंड जिला कांग्रेस ने बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर की प्रतिमा पर कांग्रेसजनों ने मुंह पर काली पट्टी बांधकर मौन स्वरूप विरोध दर्ज किया। विरोध प्रदर्शन में मुख्य रूप से जिला उपाध्यक्ष वीरेंद्र सिंह यादव, जिला संगठन मंत्री इरशाद अहमद, मीडिया प्रभारी पंकज त्रिपाठी,कोषाध्यक्ष योगेश कुमार,जिला सचिव राजेंद्र परिहार,रामबरन सिंह कुशवाहा आदि सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी गण एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जल संरक्षण महत्व के उद्देश्य से गांव-गांव निकाली गई रैली

भारतमत रिपोर्टर

भिण्ड। नदी जोड़ो परियोजना अंतर्गत जल संसाधन विभाग भिण्ड द्वारा जिले में पार्वती- कालीसिंध-चंबल लिंक परियोजना के प्रचार-प्रसार और जल संरक्षण के महत्व के उद्देश्य से आज ग्राम उदोतपुरा, मुडियाखेरा, जरपुरा, कुरथरा, मेघपुरा, चाचर, चिलोंगा, रमा, जौरीअहीर, फूप सहित विभिन्न स्थानों पर रैली के माध्यम से नागरिकों व कृषकों को परियोजना के माध्यम से होने वाले लाभ तथा जल संरक्षण एवं संवर्धन का संदेश दिया गया।

ट्रक की टक्कर से घायल बाइक सवार युवक ने इलाज के दौरान तोड़ा दम

बीती रात्रि खेरवाया के पास हुआ था सड़क हादसा

भितरवार। बीते रोज शुक्रवार की शाम लगभग 6 बजे धूमेश्वर-कल्याणी मार्ग स्थित खैरवाया गांव के समीप ट्रक की टक्कर से घायल हुए मोटरसाइकिल सवार युवक ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया है। वहीं घटना की जानकारी लगने के बाद परिवार में रूदन के साथ मातम पसर गया है।

मिली जानकारी के अनुसार भितरवार के राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन कार्यालय में प्राइवेट तौर पर कंप्यूटर ऑपरेटर का कार्य करने वाला व नगर के वार्ड क्रमांक 3 निवासी 28 वर्षीय युवक रवि कुमार यादव जाति जाटव पुत्र लेखराम अमीन पिछले कुछ दिनों से आंतरी पुलिस थाना क्षेत्र के अपने पैतृक गांव माधोपुर में रवि सीजन की होने वाली फसलों की बोवनी इत्यादि के कार्य को लेकर अपनी ड्यूटी करके गांव जाता था। उपरोक्त दिनों की तरह शुक्रवार की शाम वह अपने पैतृक गांव मोटरसाइकिल से जा रहा था तभी धूमेश्वर-कल्याणी मार्ग स्थित खेरवाया गांव के समीप ग्वालियर की ओर से आ रहे एक लापरवाह ट्रक चालक ने लापरवाही पूर्वक ट्रक को चलते हुए मोटरसाइकिल सवार उक्त युवक को टक्कर मार दी। उक्त दुर्घटना में युवक रवि यादव गंभीर रूप से घायल हो गया तो वहीं रहागीरों ने पहले परिवार जनों को घटना की सूचना दी तो वहीं स्थानीय लोगों की मदद से उसे 108 एम्बुलेंस बुलाकर इलाज के लिए ग्वालियर भेजा गया जहां देर रात्रि उसने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। जैसे ही दुर्घटना में घायल हुए युवक की इलाज के दौरान हुई मौत की जानकारी भितरवार नगर की वार्ड क्रमांक 3 में रहने वाले युवक के परिवारजनों को लगी तो घर में रुदन के साथ मातम पसर गया। तो वहीं घटना को लेकर आंतरी पुलिस ने सड़क दुर्घटना का मामला दर्ज करते हुए घटना को अंजाम देने वाले घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज के आधार पर शुरू कर दी है।

तीन माह की नवजात बेटी के सर से उठा पिता का साया

बताया जाता है कि दुर्घटना में मृत हुए युवक रवि जाटव की 3 वर्ष पूर्व वंदना जाटव से शादी हुई थी जिनकी हाल ही में तीन माह पहले, पहले बच्चे के रूप में बेटी हुई थी। रवि और वंदना दोनों ही बड़े ही लाड प्यार से बेटी का लालन-पालन कर रहे थे और बेटी के भविष्य को लेकर उसके पिता रवि ने बहुत कुछ सोचा था, लेकिन हुई हृदय विदारक घटना में 3 माह पूर्व जन्मी बेटी से अचानक पिता का साया हट गया जिसको लेकर जल संसाधन विभाग से सेवानिवृत मृतक रवि के पिता लेखराम और अन्य परिवार भी गहरे सदमे में पहुंच गया हैं।

विहसन्त सागर महाराज का बरही जैन मंदिर में हुआ प्रवेश

भारतमत रिपोर्टर

भिण्ड। समाधि सम्राट गणचार्य विराग सागर महाराज एवं पट्टाचार्य विशुद्ध सागर महाराज के परम शिष्य मेडिटेशन गुरु उपाध्याय विहसंत सागर महाराज का बरासों के लिए बिहार चल रहा है। जिसमें शनिवार को बरही जैन मंदिर में मंगल प्रवेश हुआ एवं रविवार को प्रातः काल फूप जैन मंदिर में प्रवेश होगा और वहां पर आहार पश्चात भिंड के लिए बिहार करेंगे। जानकारी देते हुए पार्षद मनोज जैन ने बताया कि उपाध्याय विहसंत सागर महाराज आगरा उत्तर प्रदेश से बिहार करते हुए भिंड नगर में 23 दिसंबर सोमवार को सुबह 8 मंगल प्रवेश करेंगे एवं 24 दिसंबर को दोपहर एक बजे अतिशय क्षेत्र बरासो एवं 26 दिसंबर को सिमार विरगवां में भगवान पारसनाथ की जयंती एवं एक जनवरी 2025 को नव वर्ष पर होने वाले आयोजन के लिए पधार रहे हैं। जहां पर भव्य मंदिर हॉल का उद्घाटन एवं महा मस्तकाभिषेक कार्यक्रम का आयोजन बड़े धूमधाम के साथ होगा।

विभाग ने की अवैध रूप में बिजली जलाने वालों पर कार्रवाई

भारतमत रिपोर्टर

लहार। विद्युत विभाग डिवीजन इंचार्ज लहार के निर्देशन में शनिवार को बिजली विभाग के कर्मचारियों ने चोरी से जला रहे बिजली चोरों के खिलाफ कार्रवाई की।विद्युत विभाग से मिली जानकारी के अनुसार आज डिवीजन इंचार्ज लहार के निर्देशन में विद्युत विभाग की टीम द्वारा भीकमपुरा तिराहा से लेकर मार्केटिंग सोसायटी की बनी हुई दुकानों में चोरी से जलाई जा रही विद्युत चोरों के खिलाफ कार्रवाई कीऔर अवैध रूप में जला रहे चोरों की केबिलें जप्त की गई है। यहां बता दें कि विद्युत विभाग द्वारा इस समय विद्युत चोरी कर रहे या बिल जमा न कर रहे लोगों के खिलाफ निरंतर कार्रवाई की जा रही है, इसी क्रम में यह कार्रवाई की गई है।

10 वर्षों से बंद शासकीय रास्ते को नायब तहसीलदार ने खुलवाया

-एसडीएम के निर्देशन में दबोह नायब तहसीलदार की कार्यवाही

भारतमत रिपोर्टर

दबोह/भिण्ड। शासकीय आम रास्ते पर वर्षों पूर्व किए गए अतिक्रमण को प्रशासन ने हटवाकर रास्ता अतिक्रमण मुक्त कराया गया है। बताया गया है कि उप तहसील दबोह के ग्राम सिंगोसा के शासकीय सर्वे नंबर 18 रकवा 1.13 हेक्टयर शासकीय रास्ते पर लगभग 10 वर्षों से गांव के कृषक जगत सिंह पुत्र बुद्ध सिंह यादव, भान सिंह पुत्र राजा सिंह यादव, रामस्वरूप पाल, बादाम पाल, संतराम पाल, रामदयाल पुत्र दुर्गाई झा द्वारा अतिक्रमण कर रास्ता अवरुद्ध किया गया था। जिसे शुक्रवार को राजस्व विभाग एवं पुलिस द्वारा हटाया गया। रात होने से संपूर्ण अतिक्रमण नहीं हटाया जा सका हैं। इसलिए अगले दिन पुनः अतिक्रमण हटाए जाने की कार्यवाही की गई।उक्त अतिक्रमण की शिकायत तहसीलदार से ग्राम पंचायत के द्वारा ठहराब प्रस्ताव डालकर की गई थी। तहसीलदार रमाशंकर शर्मा द्वारा सीमांकन दल गठित कर रास्ते का सीमांकन करवाया गया। जिसमें स्पष्ट हुआ कि नक्शे में शासकीय रास्ता है, जिसे दबंगों के द्वारा बंद कर दिया गया है। जिससे ग्राम सिंगोसा एवं बागपुरा के ग्रामवासी वर्षों से परेशान हो रहे थे। शुक्रवार को नायब तहसीलदार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे, थाना प्रभारी राजेश शर्मा भी मौके पर उपस्थित रहे। राजस्व टीम के द्वारा रास्ते को अवरुद्ध कर जो फसल बोई गई थी, उस संपूर्ण फसल को नष्ट करते हुए सार्वजनिक रास्ते को बहाल करते हुए अतिक्रमण मुक्त कर दिया है। अतिक्रमण कार्यवाही उपरांत ग्रामवासियों ने प्रशासन का आभार व्यक्त किया। उक्त कार्रवाई में राजस्व दल में पटवारी मुलायम सिंह कौरव, नरेंद्र सिंह राजावत, रमाशंकर राठौर, दीपक सालोदिया, रामकरण सिंह एवं राजस्व निरीक्षक केपी बघेल व पर्याप्त पुलिस बल मौजूद रहा। इस पूरे मामले को लेकर एसडीएम ने बताया कि जो भी अतिक्रमण है, चाहे वह चरनोई भूमि पर हो या मंदिर माफी की भूमि पर हो, सार्वजनिक रास्तों पर हो हम लगातार कार्यवाही कर रहे हैं। आम नागरिक को उसके अधिकार से वंचित नहीं होने दिया जाएगा।

हाथ ठेला हटाने व्यावसायिक महासंघ ने कटआउट लगाए, मंगलवार से अनिश्चितकालीन बंद का ऐलान

भारतमत रिपोर्टर

मुरैना। शहर के प्रमुख बाजारों में हाथ ठेले लगने से बाजार की यातायात व्यवस्था तथा दुकानदारों की दुकानदारी प्रभावित होने के चलते व्यापारियों ने शनिवार को हाथ ठेले हटाने के लिए कट आउट लगवा दिए और उस पर लिखा गया है कि सोमवार तक हाथ ठेले नहीं हटाए गए तो मंगलवार से सभी प्रमुख बाजार पूर्ण रूप से बंद रहेंगे। व्यापारियों द्वारा लगाए गए कट आउट शनिवार को चर्चा का विषय बने रहे और लोग इसको लेकर तमाम तरह की चर्चाएं करते रहे। प्रमुख बाजारों की तमाम यूनियन से बने व्यावसायिक महासंघ द्वारा हाथ ठेले बाजार से हटाने के लिए पिछले दो दिन से कवायद की जा रही है, वहीं दूसरी ओर हाथ ठेले वाले बाजार से जाने के लिए तैयार नहीं है, उनके पीछे भी नेताओं की मंडली खड़ी हो गई है। पिछले तीन दिन से लगातार बाजार में व्यापारियों एवं हाथ ठेले वालों के बीच तलवार खिंच गई है। शनिवार को व्यापारियों ने जगह-जगह कट आउट लगवा दिए और उन पर साफ शब्दों में नगर निगम के लिए लिखा गया है कि सोमवार तक हाथ ठेले बाजार से नहीं हटाए गए तो व्यापारी अनिश्चितकाल के लिए बाजार बंद कर देंगे। उल्लेखनीय है कि इस मामले को लेकर व्यावसायिक महासंघ ने शुक्रवार को नगर निगम कमिश्नर को ज्ञापन दिया और हाथ ठेले हटाने की मांग रखी, वहीं दूसरी ओर हाथ ठेले वाले भी अपनी बात रखने कमिश्नर के पास पहुंचे। अब देखना दिलचस्प हुआ कि सोमवार को प्रमुख बाजारों से हाथ ठेले हटते हैं और व्यापारियों की जीत होती है या नहीं, वहीं हाथ ठेले संचालक भी बाजार में रहने के लिए मशक्कत कर रहे हैं।

तीन अवैध कॉलोनी पर प्रशासन ने चलाया बुलडोजर

भारतमत रिपोर्टर

पोरसा। नगर के पास शाहपुरा में अवैध रूप से निर्मित तीन अवैध कॉलोनीयों पर शनिवार को स्थानीय प्रशासन द्वारा बुलडोजर चलाकर उसे तोड़ दिया गया। प्रशासन की कार्रवाई से अवैध कॉलोनी बनाने वालों में हड़कंप मच गया है।बताया जाता है कि शाहपुरा में 5 बीघा एवं दो बीघा की तीन अलग-अलग कॉलोनी अवैध रूप से बनाई जा रही थी, जिसमें सर्वे क्रमांक 87,89 पारस पुत्र ब्रह्मलाल गुप्ता एवं सर्वे क्रमांक 226 गोविंद पुत्र रमेश चंद्र सिंघल की कॉलोनी शामिल है। शनिवार को सुबह अनुविभागीय अधिकारी अरविंद माहौर, नायब तहसीलदार कुलदीप जादौन, मौजा पटवारी सकल पाठक, नगर पालिका की टीम एवं पुलिस बल की मौजूदगी में अवैध कॉलोनीयों को तोड़ा गया और अवैध कॉलोनी बनाने वालों को चेतावनी दी गई कि फिर से निर्माण शुरू किया गया तो सख्त कार्रवाई की जाएगी।

नवांकुर संस्था द्वारा मनाया गया विश्व ध्यान दिवस

भारतमत रिपोर्टर

सबलगढ। ब्लॉक सबलगढ़ की नवांकुर संस्था अन्नपूर्णा देवी शिक्षा समाज एवं सांस्कृतिक समिति द्वारा आज इंदिरा गाँधी उ. मा. विद्यालय में विश्व ध्यान दिवस मनाया गया। जिसमें संस्था प्रभारी शशिकांत मरैया द्वारा ध्यान पर प्रकाश डालते हुये एमएसडब्ल्यू, बीएसडब्ल्यू छात्र-छात्राओं को बताया कि संयुक्त राष्ट्र ने 21 दिसंबर को विश्व ध्यान दिवस के रूप में घोषित किया, जिससे स्वास्थ्य के लिए इसके लाभों को पहचाना जा सके। विशेषज्ञ आज की तेज-रफ्तार दुनिया में तनाव को कम करने, ध्यान केंद्रित करने और आंतरिक शांति को बढ़ावा देने के लिए ध्यान की शक्ति पर जोर दिया जा रहा है। उन्होंने बताया है कि हर व्यक्ति बच्चों को हर दिल ध्यान हर दिन ध्यान करना चाहिए। कार्यक्रम में परामर्शदाता महेश कुमार नारोलिया, मुकेश कुमार जाटव, धीरज सिंह जादौन, श्रीमती वर्षा जादौन एवं छात्र व छात्राये उपस्थित रहीं।

पान्टून पुल का निर्माण पूर्ण, सोमवार से आरंभ होने की संभावना

- उत्तर प्रदेश से सीधा होगा जुड़ाव 60 से 70 किलोमीटर का चक्कर बचेगा

भारतमत रिपोर्टर

पोरसा। नगरा घाट पर पान्टून पुल का निर्माण पूरा किया जा रहा है, जिससे अब पोरसा क्षेत्र के लोगों का सीधा जुड़ाव उत्तर प्रदेश की सीमा से हो जाएगा। यहां नगरा से कैजरा घाट के बीच इस पान्टून पुल का निर्माण किया जा रहा है। जिसका काम लगभग पूरा ही हो चुका है। बताया जा रहा है कि सोमवार से इससे आवागमन चालू कर दिया जाएगा। इस पुल के निर्माण की वजह से लोगों को 60 से 70 किमी का अतिरिक्त फेरा नहीं लगाना पड़ेगा। उल्लेखनीय है कि पोरसा क्षेत्र में चंबल नदी से उसैद घाट व नगरा घाट से आवागमन होता है। यहां उत्तरप्रदेश सरकार ने नवंबर महीने में उसैद घाट पर तो पान्टून पुल बना दिया, लेकिन नगरा घाट पर निर्माण नहीं कराया गया था। नगरा घाट पर तीन साल पहले ही पान्टून पुल बनाना शुरू किया गया था, एक वर्ष बनाने के बाद दूसरी वर्ष इसका निर्माण नहीं कराया। अब इस वर्ष फिर से नगरा घाट पर पान्टून पुल का निर्माण उत्तरप्रदेश सरकार ने कर दिया है। जिससे अब लोगों को उसैद घाट के रास्ते नहीं जाना पड़ेगा। इस रास्ते से भिंड तक के यात्रियों को फायदा होगा। कैजरा-नगरा घाट पर 36 पान्टूनों से पुल का निर्माण किया गया है, जिस पर पटने तक कसे जा चुके हैं। अब एक दो पांटून लगाने के साथ ही सोमवार से यह आवागमन के लिए चालू हो सकता है, जिससे उसैद घाट पुल पर भी दबाव कम होगा। अभी उसैद घाट के रास्ते ही सभी लोग गुजर रहे है। इस पुल के बनने से पोरसा से लेकर भिंड क्षेत्र तक के लोग नगरा घाट से सीधे ही निकल सकते हैं।

वन मंडल अधिकारी दीक्षित का विदाई समारोह आयोजित, नवागत अधिकारी पाटिल ने संभाला चार्ज

भारतमत रिपोर्टर

मुरैना। वन मण्डल मुरैना में पदस्थ रहे वन मण्डलाधिकारी स्वरुप दीक्षित का स्थानांतरण उपरांत विदाई समारोह शहर के होटल गोरवंश में आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता नवागत वन मण्डलाधिकारी सुजीत जे. पाटिल द्वारा की गई। कार्यक्रम में एस.डी.ओ. मुरैना मधु सिंह सिसौदिया, एस.डी.ओ. सबलगढ़ कुलदीप सिंह, अधीक्षक रा.च.अ. देवरी श्याम सिंह चौहान, अधीक्षक भिण्ड भूरा गायकवाड़ उपस्थित रहे। श्री दीक्षित के लगभग 3 वर्ष के कार्यकाल में वन विभाग ने उल्लेखनिय कार्य किया। श्री दीक्षित ने पर्यावरण संरक्षण से संबंधित मिशन लाईफकार्यक्रम में वन विभाग मुरैना को प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त करवाया, साथ ही इनके कार्यकाल में राष्ट्रीय चम्बल अभ्यारण्य में जलीय जीवों के संरक्षण व संवर्धन में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई।

कार्यक्रम में उपस्थित सभी कर्मचारियों के द्वारा श्री दीक्षित के कार्यकाल को सर्वेश्रेष्ठ कार्यकाल बताया गया। सामान्य वन मण्डल मुरैना की वन परिक्षेत्राधिकारी मुरैना श्रीमती श्वेता त्रिपाठी, गेमरेंजर देवरी श्रीमती रिंकी आर्य, रेंजर श्रीमती हिना खॉन, प्रणय श्रीवास्तव, अभिषेक शर्मा, दीपक शर्मा, फूलसिंह कोदिया के साथ ही रोटरी क्लब मुरैना से आनंद गुप्ता, श्याम सिकरवार एवं उप पुलिस अधीक्षक (विशेष शाखा) जितेन्द्र सिंह कुशवाह तथा सामान्य वन मण्डल मुरैना का 130 स्टाफ उपस्थित रहा। कार्यक्रम का संचालन शैलेन्द्र सिंह सिकरवार द्वारा किया गया।

कम वोल्टेज और अघोषित विद्युत कटौती से आमजन परेशान

भारतमत रिपोर्टर

झुण्डपुरा। नगर में पिछले दिनों से विद्युत वितरण कंपनी सब स्टेशन झुण्डपुरा के अन्तर्गत लगातार अघोषित विद्युत कटौती की जा रही है। इतना ही नहीं जब बिजली आती है तो वोल्टेज काफी कम होता है, जिसके चलते स्थानीय लोग खासे परेशान और आक्रोशित है।प्राप्त जानकारी के अनुसार विद्युत सब स्टेशन झुण्डपुरा के अन्तर्गत लगातार अघोषित विद्युत कटौती की जा रही है, साथ ही वोल्टेज काफी कम मिलने से उपकरण काम नहीं करते। बिजली की आंख मिचौली सुबह से शुरू होती हैं और देर रात तक चलती हैं, जिससे लोगों का जन जीवन अस्त-व्यस्त हो रहा है। विद्युत कर्मचारियों को वरिष्ठ अधिकारियों का भय न होने के चलते यह समस्या हल नहीं हो पा रही हैं। स्थानीय लोगों ने बताया कि अघोषित विद्युत कटौती कर्मचारियों की अकर्मण्यता का कारण है। लोगों को बिजली कटौती से भारी परेशानी होती है। रोज-रोज परमिट लेकर सप्लाई बंद कर दी जाती है। स्थानीय लोगों ने वरिष्ठ अधिकारीयो से बिद्युत कटौती को बंद कराने की मांग की है।

- इनका कहना है......

परमिट पर लाईन है, काम चलने से रोज परमिट लेकर सप्लाई बंद कर काम किया जा रहा है।

सुमित वर्मा, जेई, विधुत विभाग

मजदूर संघ के श्रमिक संपर्क अभियान का समापन

भारतमत रिपोर्टर

मुरैना। भारतीय मजदूर संघ के अखिल भारतीय आव्हान पर संघ के स्वर्णिम 70 वर्ष की कार्य योजना पर भारतीय मजदूर संघ विभाग मुरैना के द्वारा 1 दिसंबर से 20 दिसंबर तक चलने वाले देशव्यापी श्रमिक संपर्क अभियान संपूर्ण देश एवं प्रदेश में चलाया गया। इसी क्रम में मुरैना विभाग के द्वारा शनिवार को भारतीय मजदूर संघ एवं सभी अनुषांगिक संगठनों के पदाधिकारीयो के द्वारा श्रमिक संपर्क अभियान का समापन किया। समापन कार्यक्रम में भारतीय मजदूर संघ के विभाग प्रमुख ब्रजराज दंडोतिया, सुरेश शर्मा पूर्व जिला अध्यक्ष, देवेंद्र शर्मा जिला अध्यक्ष, गबदा लाल कर्ण जिला मंत्री, राघवेंद्र सिंह तोमर विधि सलाहकार, ज्योति कदम कार्यालय मंत्री, श्रीमती ललिता शर्मा प्रदेश उपाध्यक्ष आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सहायिका संघ, दिलीप पाठक जिला संयोजक पर्यावरण मंच आदि लोग शामिल रहे।

वर्ल्ड मेडिटेशन डे के अवसर पर ध्यान दिवस मनाया

भारतमत रिपोर्टर

मुरैना। शनिवार को वर्ल्ड मेडिटेशन दिवस के अवसर पर प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय सीताराम धर्मशाला रोड पर स्थित केंद्र द्वारा मानसरोवर पैलेस में विश्व ध्यान दिवस मनाया एवं नशा मुक्त भारत अभियान का भी उद्घाटन दीप प्रज्वलन कर किया गया। कार्यक्रम में अतिथि डॉ आर. सी. बांदिल पूर्व सी.एम.एच.ओ., अशोक शर्मा संग्रहालय अध्यक्ष, एस.पी. सारस्वत रिटायर्ड प्रिंसिपल, सी.एल. गुप्ता रिटायर्ड प्रिंसिपल, राकेश अग्रवाल हायर सेकेंडरी स्कूली प्रिंसिपल, डॉ राम प्रकाश गुप्ता चिकित्सक, डॉ . विनोद बांदिल एवं रेखा बहन चम्बल संभाग संचालिका उपस्थित थे और सभी का तिलक फूल माला पहनकर स्वागत किया गया। कार्यक्रम में रेखा बहन ने बताया कि ध्यान से हमारा मन शांत होता है, ध्यान ही है जो मानव को देव तुल्य बनता है। ध्यान से तन मन स्वस्थ रहता है, इसलिए रोजाना ध्यान अवश्य करना चाहिए। नशा मुक्ति होने के बारे में भी बताया और कहा कि नशा मुक्त भारत अभियान हम गांव स्कूल कॉलेज में भी यह प्रोग्राम करेंगे।

गौसेवक रुद्रप्रताप को बिस्मिल युवा साहित्य मंच ने किया सम्मानित

भारतमत रिपोर्टर

मुरैना। बिस्मिल युवा साहित्य मंच के तत्वधान में बीती रात्रि अखिल भारतीय कवि सम्मेलन एवं युवा सम्मान समारोह का आयोजन अमर शहिद क्रांतिकारी पं रामप्रसाद बिस्मिल जी की शहादत दिवस पर किशोरी लाल गार्डन अंबाह में किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि हॉकी संघ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष देवेन्द्र प्रताप सिंह तोमर उपस्थित रहे, जिन्होंने युवाओं का सम्मान किया। जिसमें मुरैना के युवा रुद्रप्रताप सिंह को गौसेवा के क्षेत्र में सम्मानित किया गया। कवि सम्मेलन में मुख्य रूप से कवि पंकज पंडित ललितपुर, प्रतीक चौहान भोपाल, नीतेश व्यास रायसेन, पवन तोमर तन्मय पोरसा, पलक सिकरवार, अनिल मुद्गल ग्वालियर, शिवानंद कटारे सहित कवियों ने काव्य पाठ किया।

जौरा विधायक ने विधानसभा में किया अटल एक्सप्रेस-वे का किया विरोध

भारतमत रिपोर्टर

जौरा विधायक ने विधानसभा में किया अटल एक्सप्रेस-वे का किया विरोध

कैलारस। विधानसभा से कांग्रेस विधायक पंकज उपाध्याय ने विधानसभा में शून्य काल में चर्चा करते हुए कहा कि अटल एक्सप्रेसवे में सड़क के दोनों और 500-500 मीटर का इंडस्ट्रियल कॉरिडोर बनाने का बजट में प्रावधान रखा गया है। इसके अलावा दोनों और 5-5 किलोमीटर का बफर जोन भी प्रस्तावित है। पहले इस योजना को परिवहन मंत्रालय ने पूरी तरह रद्द कर दिया था लेकिन अब इसे वापस राज्य बजट में जोड़ा गया है, जिससे पूरी चंबल घाटी तबाह हो जाएगी। परियोजना में किसानों को मुआवजा देने के भी कोई नीति घोषित नहीं की गई है। एक्सप्रेस-वे से कहीं किसी ग्रामीण को आज तक कोई लाभ नहीं मिला है। यमुना एक्सप्रेसवे इसका एक उदाहरण है जिसमें लोगों को अपने खेत पर जाने के लिए कई किलोमीटर घूमना पड़ता है। यह योजना केवल बड़े उद्योगपतियों को लाभ देने के लिए बनाई गई है। श्री उपाध्याय ने कहा कि इस योजना में हमारे विधानसभा के ग्राम बिरखापुरा, सुखपुरा, मोहनपुर, ताजपुर, उत्तमपुर, छिंनबरा, कोलुडाढा, बरेंड, चिन्नोनी, सिंगरौली, पर्वतपुर, रणछौडपुरा, तिंदौखर, जापथाप, हुसैनपुर, रजौधा, कोटरा, मिलुआ, लोहरी का पुरा आदि गांवों सहित सैकड़ो गांव प्रभावित हो रहे हैं। हमारे किसान भाइयों की जमीन कौड़ियों के भाव ले ली जाएगी। लघु सीमांत और छोटे किसान बर्बाद हो जाएंगे। हम चाहते हैं एक्सप्रेसवे का निर्माण पुराने एलाइनमेंट यानी बीहड में से निकले, जिससे हमारी उपजाऊ जमीन बर्बाद ना हो। सरकार बात नहीं मानती तो पूरी ताकत से विरोध किया जाएगा।

अमित शाह को गृह मंत्री के पद पर रहने का कोई अधिकार नहीं हैः धर्मनिरपेक्ष दल

भारतमत रिपोर्टर

कैलारस। संविधान की 75वीं सालगिरह पर बहस में राज्यसभा में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने डा0 बीआर अम्बेडकर के संबंध में जो अपमानजनक टिप्पणियां की हैं, उन्होंने देश भर में लोगों की भावनाओं को विक्षुब्ध किया है। अमित शाह ने ये टिप्पणियां भारत के संविधान की चर्चा करते हुए की हैं, जिसके डा0 अम्बेडकर निर्माता थे। इससे उनका मनुवादी नजरिया ही बेनकाब हुआ है। प्रधानमंत्री मोदी ने अमित शाह का जो बचाव किया है, निर्लज्जतापूर्ण है। धर्मनिरपेक्ष दलों के मत में अमित शाह को गृहमंत्री के पद पर रहने का कोई अधिकार नहीं है।यह बात धर्मनिरपेक्ष दलों के नेता गणों ने अंबेडकर स्मारक पर आयोजित कार्यक्रम और बनाई गई मानव श्रृंखला के दौरान कहीं। नगर में बड़ी संख्या में धर्मनिरपेक्ष दलों के कार्यकर्ता गण अंबेडकर प्रतिमा स्थल पर एकत्रित हुए, अंबेडकर साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर पुष्पांजलि अर्पित की। तत्पश्चात मानव श्रृंखला बनाकर संविधान बचाओ, लोकतंत्र बचाओ, देश बचाओ के नारे लगाए और कहा कि बाबा साहब डॉ अम्बेडकर का अपमान नहीं सहेगा हिंदुस्तान। उसके बाद हुई सभा को माकपा नेता पूर्व नपाध्यक्ष अशोक तिवारी, वरिष्ठ किसान नेता गयाराम सिंह धाकड़, कांग्रेस प्रदेश महासचिव बृजमोहन मरैया ,बसपा के नंदलाल खरे, माकपा जिला सचिव मंडल सदस्य ओमप्रकाश श्रीवास आदि ने संबोधित किया। सभी नेता गणों ने संघर्ष को आगे बढ़ाने का संकल्प डॉ अंबेडकर की प्रतिमा के समक्ष लिया। इस मौके पर सुरेश चंद्र धाकड़ सचिव लोकल कमेंटी कैलारस ग्रामीण, बाबूलाल सोलंकी, उदयराज सिंह पूर्व संचालक शक्कर कारखाना, जगन्नाथ सिंह, पूर्व जनपद सदस्य, कन्हैयालाल धाकड़, सरमनलाल, निरंजन शाक्य, नरेश शाक्य, सियाराम बस्तौली, रवी धाकड़, रफीक कुरैशी, फेरन सिंह जाटव आदि स्मारक पर हुई सभा एवं मानव श्रृंखला कार्यक्रम में शामिल रहे। सभी ने आगामी दिनों में संविधान, लोकतंत्र और देश को बचाने के संघर्ष को आगे बढ़ने का संकल्प लिया।

गुनीत मोंगा की 'अनुजा' हुई ऑस्कर के लिए शॉर्टलिस्ट

मुंबई। अपनी शॉर्ट डॉक्यूमेंट्री फिल्म 'द एलीफेंट व्हिस्परर्स' के लिए साल 2023 का अकादमी पुरस्कार जीतने वाली गुनीत मोंगा एक बार फिर भारती सिनेमा को गौरवान्वित करने के लिए तैयार हैं। उनके नए प्रोजेक्ट 'अनुजा' को 'ऑस्कर 2025' के लिए 'सर्वश्रेष्ठ लाइव-एक्शन शॉर्ट फिल्म' श्रेणी में चुना गया है, जिसकी वह कार्यकारी निर्माता हैं। यह गुनीत का अकादमी पुरस्कारों में तीसरा नामांकन है। ऑस्कर 2025 के लिए 'अनुजा' को चुना गया 180 क्वालीफाइंग एंट्री में से चुना गया। यह शॉर्ट फिल्म ऑस्कर के लिए 15 शॉर्टलिस्ट की गई फिल्मों में शामिल है। 'अनुजा' को एडम जे ग्रेव्स और सुचित्रा मट्टई द्वारा निर्देशित और हॉलीवुड स्टार और लेखिका मिंडी कलिंग द्वारा सह-निर्मित किया गया है।

लाइफ Style

संजीदा शेख

अभिनेत्री संजीदा शेख का जन्म 20 दिसंबर, 1984 को कुवैत में हुआ था। संजीदा ने अपना सफर छोटे पर्दे से शुरू किया और अपने अभिनय के दम पर बड़े पर्दे तक पहुंचीं। उन्होंने कई जानी-मानी फिल्मों में काम किया। संजीदा ने फिल्मी करियर की शुरुआत टीवी सीरियल 'क्या होगा निम्मो का' से किया।

बागबान से तय किया हीरामंडी तक का सफर

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

इस धारावाहिक में उन्होंने मुख्य भूमिका निभाई थी। संजीदा शेख ने टेलीविजन पर काफी सराहनीय काम किया है। वह 'कयामत', 'इश्क का रंग सफेद', 'क्या दिल में है', 'एक हसीना थी' जैसे कई टीवी सीरियल्स में काम कर चुकी हैं। साथ ही वह कई रियलिटी शो में भी भाग ले चुकी हैं। अभिनेत्री ने 'नच बलिए', 'झलक दिखला जा', 'जरा नच के दिखा' जैसे रियलिटी शो में भी भाग लिया है। टीवी जगत ने संजीदा को काफी शोहरत दिलाई। उनकी गिनती टीवी की टॉप एक्ट्रेस में होने लगी। अभिनेत्री संजीदा शेख ने 19 साल की उम्र में अमिताभ बच्चन की फिल्म 'बागबान' से फिल्मी दुनिया में कदम रखा था। इस फिल्म में भले ही उनका रोल छोटा रहा हो, लेकिन उनके किरदार के लिए उन्हें काफी पसंद किया गया। साल 2003 में आई इस फिल्म में उन्होंने नीली का किरदार निभाया था। अभिनेत्री ने हिंदी के अलावा तमिल, कन्नड़ और पंजाबी फिल्मों में भी काम किया है। साल 2005 की तमिल फिल्म 'पोन्नियिन सेल्वन' में संजीदा ने अभिनय किया। 2006 की कन्नड़ फिल्म 'शुभम' में भी वह नजर आईं। अभिनेत्री ने 'अश्के', 'मैं ते बापू' जैसी फिल्मों में भी काम किया है। संजीदा शेख को आखिरी बार संजय लीला भंसाली की वेब सीरीज 'हीरामंडी' में देखा गया था।

हॉलीवुड मसाला

'सुपरमैन' का ट्रेलर रिलीज

लॉस एंजिलिस। जेम्स गन के डायरेक्शन में बन रही 'सुपरमैन' का ट्रेलर रिलीज हो गया है। इस फिल्म का फैंस को लंबे समय से इंतजार है। दो मिनट 29 सेकेंड के ट्रेलर में नए सुपरमैन की झलक फैंस को भी बहुत पसंद आ रही है। इस फिल्म में डेविड कोरेंसवेट सुपरमैन के किरदार में हैं। ट्रेलर की शुरुआत सुपरमैन के दूसरे पर्सनैलिटी क्लार्क केंट से होती है, जो द डेली प्लैनेट नाम के अखबार के रिपोर्टर हैं।

'प्रियंका अपने पति को कंट्रोल में रखें"

लॉस एंजिलिस। प्रियंका चोपड़ा के पति निक जोनस ने हाल ही में एक्स पर एलन मस्क को सपोर्ट किया जिसके बाद उन्हें लोगों का सामना करना पड़ा। यूजर्स ने निक को फटकार लगाई और ज्यादातर ने तो प्रियंका चोपड़ा को भी बीच में घसीटा। उन्होंने कहा कि एक्ट्रेस अपने पति को संभाल लें। 17 दिसंबर को एलन मस्क ने टेस्ला ओनर्स सिलिकॉन वैली के एक्स पोस्ट पर रिएक्ट किया जिसमें कहा गया था कि डोनाल्ड ट्रम्प के दोबारा चुने जाने के बाद से कंपनी का मुनाफा बढ़ गया है। यह बात निक जोनस के फैंस को अच्छी नहीं लगी, जिन्होंने इस ट्वीट का अर्थ यह निकाला कि वह एलन मस्क का समर्थन कर रहे हैं। एक यूजर्स में से एक ने कहा- क्या यह ट्रम्प पोस्ट है? @प्रियंकाचोपड़ा अपने पति को संभाल लो।

सास के रोल को लेकर चिंतित थीं अमीषा

मुंबई। 'गदर 2' के निर्देशक अनिल शर्मा अपनी फिल्मों के अलावा अपनी निजी जिंदगी को लेकर जाने जाते हैं। हालांकि, इस फिल्म के बाद से दोनों के बीच गर्मागर्मी देखने को मिली थी। दरअसल, फिल्म की रिलीज के बाद से दोनों के बीच विवादों ने जन्म लिया। अब हाल ही में, निर्देशक ने बताया कि फिल्म में अमीषा पटेल ने सास की भूमिका निभाने को लेकर चिंतित थीं। हालांकि, बाद में वह सास का रोल निभाने के लिए तैयार हो गई थीं। अनिल शर्मा ने कहा, 'मुझे लगता है कि 'गदर 2' में 'सकीना' के रोल को उतनी जगह नहीं मिल पाई, जितनी उन्हें गदर 1 में मिली थी। शायद वह उम्र और समाज को समझ नहीं पाईं। उम्र एक ऐसी चीज है कि वह सबको समझ आ जाएगा। अगर एक फिल्म में आप जीते की मां की भूमिका निभाती हैं तो यह स्वाभाविक है कि अगली फिल्म में आपको जीते की पत्नी की सास का रोल भी निभाना पड़ेगा।

बलिदान पर आधारित है फिल्म '120 बहादुर'

मुंबई। देश में लगातार फिल्मों का दौर जारी है। इसी बीच फरहान अख्तर स्टारर की अपकमिंग चर्चित फिल्म '120 बहादुर' की रिलीज डेट भी सामने आ चुकी है। यह फिल्म 21 नवंबर 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होने को तैयार है। फिल्म के निर्माताओं ने अपडेट देते हुए गुरुवार को यह घोषणा की। मेजर शैतान सिंह भाटी और देश के सैनिकों की बहादुरी और बलिदान पर आधारित फिल्म में फरहान अख्तर लीड रोल में हैं। इससे पहले फरहान ने इंस्टाग्राम पर अपनी आगामी प्रोजेक्ट '120 बहादुर' के सेट से फिल्म का पोस्टर शेयर किया था। पोस्टर में वह हाथ में बंदूक लिए देश भक्ति में डूबे दिखे थे। रेजांग ला लड़ाई की 62वीं वर्षगांठ (18 नवंबर) पर अभिनेता ने पोस्टर शेयर कर 120 बहादुर सैनिकों को श्रद्धांजलि दी थी।

इंडियन आइडल 15 पर, मानसी घोष ने खास मेहमान पैराडॉक्स को दुविधा में फंसाया, उनसे पूछा कि उन्हें किसके साथ काम करने में ज़्यादा मज़ा आता है- बादशाह या हनी सिंह?

मुंबई, दिसंबर 2024- इस वीकेंड, सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविज़न पर बहुचर्चित सिंगिंग रियलिटी शो, 'इंडियन आइडल सीज़न 15', ÷क्रिसमस कॉन्सर्ट÷ नामक अपने स्पेशल एपिसोड के साथ उत्सव की खुशियां फैलाएगा। इस एपिसोड में कई सेलेब्रिटीज़ 'सीक्रेट सांता' के रूप में शामिल होंगे, जो अपने पसंदीदा प्रतियोगियों के लिए उपहार लेकर आएंगे। इन सेलेब्रिटीज़ में मधुबंती बागची, पैराडॉक्स, भूमि त्रिवेदी, ऋषभ शर्मा, पापोन, निकिता गांधी, प्रियांक शर्मा, मियांग चांग और सीआईडी की प्रसिद्ध ??टीम एसीपी प्रद्युमन (शिवाजी साटम), सीनियर इंस्पेक्टर अभिजीत (आदित्य श्रीवास्तव), और सीनियर इंस्पेक्टर दया (दयानंद शेट्टी) शामिल हैं।इस एपिसोड के मुख्य आकर्षणों में एक प्रतियोगी मानसी घोष का खास मेहमान पैराडॉक्स को खेल-खेल में दुविधा में डाल देना था, जब उन्होंने उनसे पूछा कि उन्हें किसके साथ काम करने में ज़्यादा मज़ा आता है - बादशाह या हनी सिंह। पैराडॉक्स के हार्दिक जवाब ने दर्शकों का दिल जीत लिया- ÷मैंने उन सभी से बहुत कुछ सीखा है। मैं आज जो भी रचनात्मकता सामने लाता हूं, उसका काफी श्रेय उन्हें जाता है।बादशाह ने भी यह बताया, ÷हमारे बीच, हमारा सीन जो भी है, हमारे बाद जो भी आए, वो सब हमें एक ही यूनिट मानते हैं। अगली पीढ़ी के लिए, हम एक यूनिट के रूप में साथ खड़े हैं, जो आगे वाली पीढ़ी का मार्गदर्शन कर रहे हैं। पैराडॉक्स रफ़्तार भाई से भी सीखा है, हनी से भी सिखाया है, मुझसे भी सीखा है और ये हर किसी से सीखा है। वह जानता है कि कल्चर कैसे काम करता है, और यही इस गेम के सच्चे छात्र की पहचान है।शो में एक दिल छूने वाला पल भी देखने को मिलेगा, जब मानसी के माता-पिता भी एक खास सेलिब्रेशन के लिए मंच पर उनके साथ शामिल होंगे, और मानसी के बचपन की सुहानी यादों को ताज़ा करेंगे। उनके दिलचस्प व्यक्तित्व और अपने परिवार के साथ उनके रिश्ते का खुलासा करते हुए, उन्होंने भावनात्मक रूप से बताया कि कैसे मानसी ने मुश्किल वक्त में वित्तीय ज़िम्मेदारियों को उठाया और गर्व से बताया, उसने हमारे लिए कई घर खरीदने का वादा किया है।उनके परफॉर्मेंस की बात करें, तो निशा - जाने जान पर मानसी का परफॉर्मेंस हर किसी को मंत्रमुग्ध कर देने वाला है। जज श्रेया घोषाल ने उन्हें ÷सर्टिफाइड क्रेज़ी÷ कहा, जबकि विशाल ददलानी ने घोषणा की, यह मानसी की दुनिया है, और हम बस इसमें रह रहे हैं। आपको जजों की जरूरत नहीं है; आपने अपने परफॉर्मेंस में इतने भाव और मानवता भर दी है।÷ बादशाह पल भर के लिए अवाक रह गए थे। उन्होंने कहा- ÷मुझे निराशा इस बात से होती है कि आप अपनी प्रतिभा को लेकर कितनी लापरवाह हैं। तुम बहुत क्रेज़ी गर्ल हो!

68वें दिन 17.25 करोड़ रुपए का आँकड़ा पार कर बोहुरूपी ने रचा इतिहास

मुंबई,। विंडोज प्रोडक्शंस की बोहुरूपी ने अपना अभूतपूर्व प्रदर्शन जारी रखा है, जिसने बंगाली सिनेमा की अब तक की सबसे बड़ी ब्लॉकबस्टर के रूप में अपनी स्थिति मजबूत कर ली है। अपनी रिलीज़ के 68वें दिन, फिल्म ने आधिकारिक तौर पर बॉक्स ऑफिस पर 17.25 करोड़ रुपए का आँकड़ा पार कर इतिहास रच दिया है। रिलीज़ के बाद से 10वें रविवार को भी दर्शक खचाखच भरे सिनेमाघरों में उमड़ पड़ेइस अभूतपूर्व उपलब्धि ने न सिर्फ पिछले रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं, बल्कि बंगाली सिनेमा की पहुँच को भी फिर से परिभाषित किया है, जिससे यह साबित होता है कि मजबूत कहानी और सम्मोहक अभिनय की कोई सीमाएँ नहीं होती हैं।फिल्म की सफलता के बारे में बात करते हुए, शिबोप्रसाद मुखर्जी ने कहा, ÷बोहुरूपी सिर्फ एक फिल्म ही नहीं है, बल्कि यह एक भावना भी है, जिसे दर्शकों ने पूरे दिल से अपनाया है। यह तथ्य कि 10वें रविवार को भी थिएटर हाउसफुल रहे, किसी सपने के सच होने जैसा है। यह दर्शाता है कि बंगाली सिनेमा में बड़ी-बड़ी फिल्मों की रिलीज के बीच भी अपनी जगह बनाने की ताकत है।÷

नंदिता रॉय ने कहा, बोहुरूपी की सफलता दर्शकों के प्रामाणिक कहानी कहने के प्रति अटूट प्रेम का प्रतिबिंब है। सभी आयु वर्ग के लोगों को सिनेमा का जश्न मनाने के लिए एक साथ आते देखना दिल को छू लेने वाला है। यह यात्रा हम सभी के लिए बेहद असाधारण रही है।÷बोहुरूपी का प्रभाव इसकी संख्या से कहीं आगे तक फैला हुआ है। राष्ट्रीय मल्टीप्लेक्स और क्षेत्रीय सिनेमाघरों में खचाखच भरे शो के साथ, यह एक सांस्कृतिक जश्न साबित हुआ है, जिसने दर्शकों को फिल्म की कथात्मक गहराई और यादगार प्रदर्शनों के लिए उनकी प्रशंसा में एकजुट किया है।ऐसी चौंका देने वाली उपलब्धियों के साथ, बोहुरूपी शिबोप्रसाद मुखर्जी और नंदिता रॉय की रचनात्मक प्रतिभा का एक वसीयतनामा है, जिसने बेशकीमती अभिनय कौशल ने बंगाली सिनेमा को नई ऊँचाइयों पर पहुँचाने में विशेष योगदान दिया है। जैसे-जैसे फिल्म और भी अधिक उपलब्धियाँ हासिल करने की राह पर आगे बढ़ रही है, यह साथ-साथ एक ऐसी विरासत छोड़ रही है, जो आने वाले वर्षों में फिल्म निर्माताओं और दर्शकों को प्रेरित करेगी।

शांत पंडित, तेज आवाज वाली पत्नी और बेटा उभरता हुआ गायक; सोनी सब के वागले की दुनिया में साईं दर्शन सोसाइटी ने गुजराती परिवार का स्वागत किया

मुंबई, । सोनी सब का वागले की दुनिया - नई पीढ़ी नए किस्से% मध्यम वर्गीय वागले परिवार के रोजमर्रा के संघर्षों और जीत को दर्शाता है। हाल के एपिसोड में डक्कू (दीपक पारीक) को बगल के फ्लैट से अजीबोगरीब आवाज़ें आती हैं, जो कुछ समय से खाली पड़ा है। चोरों के होने का संदेह होने पर, वह पूरी सोसाइटी को इकट्ठा करके जांच करता है। हालांकि, जब वे अपार्टमेंट से भजन सुनते हैं, तो वे दंग रह जाते हैं।

जैसे ही फ्लैट का दरवाज़ा खुलता है, घटनाओं के आश्चर्यजनक मोड़ में साईं दर्शन सोसाइटी के सदस्य अपने नए पड़ोसियों, एक गुजराती परिवार से मिलते हैं। परिवार में धर्मेश (खंजन थम्बर), एक शांत और सिद्धांतवादी मंदिर के पूर्व पुजारी, और उनकी तेज़ आवाज वाली सनकी पत्नी संतूरी (तरजनी भदला) शामिल हैं। उनके साथ उनका छोटा बेटा एक उभरता हुआ गायक है, जिसका संगीत के प्रति जुनून परिवार को मुंबई ले आता है।

हालांकि, डक्कू नए लोगों पर संदेह करता है, इस बात से सावधान रहता है कि कैसे धोखेबाज अक्सर परिवार के रूप में सामने आते हैं। अपने संदेह को साबित करने के लिए दृढ़ संकल्पित डक्कू उनकी हर हरकत पर नजर रखना शुरू कर देता है। क्या उसका संदेह झूठे आरोपों की ओर ले जाएगा, या इस परिवार में दिखने से कहीं ज़्यादा कुछ है?राजेश वागले की भूमिका निभाने वाले सुमित राघवन ने कहा, ÷वागले की दुनिया में नए किरदारों का होना रोमांचक है, और यह नया गुजराती परिवार कहानी में एक नया मोड़ लेकर आया है। इस परिवार को और भी दिलचस्प बनाने वाली बात है धर्मेश और संतूरी के बीच का गहरा अंतर - जहाँ धर्मेश शांत, सिद्धांतवादी और ज़मीनी है, वहीं संतूरी ज़ोरदार, सनकी और ऊर्जा से भरपूर है। उनके मतभेद और मौजूदा निवासियों के साथ बातचीत, निश्चित रूप से बहुत सारी मनोरंजक चुटकुलों और दिल को छू लेने वाले पलों का निर्माण करेगी। मैं वास्तव में यह देखने के लिए उत्सुक हूँ कि समाज में बसने के बाद दर्शक उनसे कैसे जुड़ते हैं!÷सोमवार से शनिवार रात 9 बजे सोनी सब पर वागले की दुनिया - नई पीढ़ी नए किस्से देखने के लिए तैयार रहें।

विधानसभा में दहाड़े कैलाश कुशवाहा

अरे किसान को बिल्कुल ही मार दोगे क्या?

पोहरी विधायक ने विधानसभा में सरकार से पूछा -किसानों के हित में अब तक क्या किया

विनय धौलपुरिया

शिवपुरी । मध्य प्रदेश सरकार हर दिन किसानों के नाम पर 120 करोड रुपए का कर्ज ले रही है लेकिन धरातल पर अब तक प्रदेश की सरकार ने किसानों के लिए क्या किया ?यह कहना है शिवपुरी जिले की पोहरी विधानसभा से कांग्रेस के विधायक कैलाश कुशवाहा का। विगत दिवस विधानसभा में जब उन्हें बोलने का मौका मिला तो उन्होंने किसानों की समस्याओं को लेकर सरकार को घेरा और सीधे शब्दों में सरकार से केवल किसानों के लिए अब तक किए गए प्रयासों पर निशाना साधते हुए कहा कि मैं किसान का बेटा हूं और उनकी हर परेशानी को अच्छी तरह समझता हूं ।प्रदेश का किसान पूरी रात खाद और बीज के लिए लाइन में लगा रहता है और इस दौरान पुलिस व प्रशासन के डंडे भी खाता है। जबकि फसल हो जाने के बाद बिजली विभाग बेरहमी से उसको परेशान करने का काम शुरू कर देता है और जब प्रकृति की मार किसान पर पड़ती है तो सरकारी सर्वे तो होता है लेकिन सुविधा कोई नहीं मिलती ।पटवारी कभी तहसीलदार तो कभी एसडीएम का नाम लेकर किसान पर जबरन का दबाव बनाता है और इस तरह किसान का पूरा जीवन शोषण में ही व्यतीत हो जाता है।जब सभापति ने टोका तो विधानसभा में दहाड़ते हुए विपक्ष के विधायक कैलाश कुशवाहा ने कहा कि अरे, किसानों को बिल्कुल ही मार दोगे क्या?चिल्लाते हुए उन्होंने मांग की कि कम से कम आज तो बोलने का मौका दो क्योंकि मैं पूरी सामाजिक और आर्थिक व्यवस्था का भार उठाने वाले किसान की बात रख रहा हूं ।उन्होंने कहा की पटवारी और तहसीलदार मिलकर किसानों को पूरी तरह चूस लेंगे ।सरकारी व्यवस्था ऐसी हो कि हमारे अन्नदाता का जीवन बिना किसी परेशानी के कट सके। इस दौरान उन्होंने अपने विधानसभा क्षेत्र में कोई रोजगार न होने उद्योग धंधा ना होने की बात पटल पर रखते हुए कहा की पोहरी विधानसभा क्षेत्र के किसानों की विधवाओं के लिए और उनके बच्चों के लिए अब तक सरकार ने क्या किया सरकार सबको बताएं और उन्होंने कहा कि जनता को सब दिखाई दे रहा है और आने वाले समय में जनता एक-एक बात का हिसाब लेगी।

सीएससी सेंटर संचालकों की एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

सीएससी से मिलती है निशुल्क कानूनी सलाह : आशीष द्विवेदी

शिवपुरी, ब्यूरो

सीएससी जिला टीम द्वारा (कॉमन सर्विस सेंटर 1द्यद्ग) की एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया, जिसमें सी एस सी संचालकों को डिजिटल सेवाओं और ई-गवर्नेंस के बारे में जानकारी प्रदान की गई। कार्यशाला मे 100 से अधिक सीएससी संचालकों ने भाग लिया और उन्हें सी एस सी की सेवाओं के बारे में विस्तार से बताया गया। कार्यशाला में संचालकों को डिजिटल सेवाओं के बारे में जानकारी प्रदान की गई, जैसे कि पैन कार्ड, आधार कार्ड इलेक्ट्रिसिटी बिल पेमेंट टैली लो रजिस्ट्रेशन स्न्ब्ब्द्दद्बश्चड्ढ4 और अन्य सरकारी सेवाएं। तथा सीएससी पोर्टल पर कार्य करने वाली हमारे साथी कंपनियां के सभी वर्टिकल्स ने भाग लिया एवं एक-एक कर कर विस्तारित अपनी कंपनियों के बारे में बताया कंपनियों में इफको टोकियो जनरल इंश्योरेंस एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस महिंद्रा फाइनेंस पिरामल हाउसिंग फाइनेंस आधार हाउसिंग फाइनेंस रेनॉड्स डस्टर टाटा समर्थ मोटर्स बजाज फाइनेंस महिंद्र ट्रैक्टर्स महिंद्रा फाइनेंस जैसी महत्वपूर्ण कंपनियों ने अपना स्टॉल लगाया और सीएससी पोर्टल से कैसे लीड जनरेट करें सभी ने प्रेजेंटेशन दिया सीएससी राज्य भोपाल ऑफिस से पधारे स्टेट हेड अतुलित राय सर ने 1द्यद्ग से रूबरू होकर एक एक कर जानकारी ली और उन्हें ष्ह्यष के बारे में विस्तार से बताया राज्य ऑफिस से आशीष द्विवेदी सर ने टेली लॉ के बारे में विस्तार से समझाया एवं नितेश पटेल सर ने डीजीपे के बारे में प्रेजेंटेशन दिया सभी को डीजीपी से अधिक से अधिक कार्य करने में सहयोग प्रदान करने के लिए कहा सीएससी आधार से अनुराग सिंह एचडीएफसी से सागर गुप्ता एवं इंश्योरेंस रवि सिंह सर विस्तृत सभी ने जानकारी प्रदान की मीटिंग का आयोजन सीएससी जिला टीम प्रबंधन में जिला प्रबंधक उमेश शर्मा एवं संतोष लक्ष्कार ने किया साथी कार्यक्रम का समापन जिले के एसडीएम उमेश गौरव सर की उपस्थिति में हुआ एवं उन्होंने 1द्यद्ग को संबोधित कर शासकीय योजना में अधिक से अधिक सहयोग करने प्रोत्साहित किया कार्यक्रम के समापन पर सभी उत्कृष्ट कार्य करने वाले 1द्यद्ग को श्री अतुलित राय स्टेट हेड सीएससी ने अपने हाथों से मेडल शील्ड और प्रमाण पत्र वितरित कार्यशाला के दौरान, संचालकों ने सीएससी के अधिकारियों से सवाल पूछे और अपनी समस्याओं का समाधान पाया। कार्यशाला के अंत में, संचालकों को सी एस सी की सेवाओं के बारे में जानकारी प्रदान करने वाले पुस्तिकाएं वितरित की की गई किए विभिन्न पंचायत से पधारे सीएससी 1द्यद्ग को भोजन पैकेट देकर कार्यक्रम का समापन कर विदा किया गया।

25दिसंबर से शुरू होंगे समारोह

अटलजी की 100 वीं जयंती सुशासन दिवस के रूप में मनाएगी भाजपा

शिवपुरी, ब्यूरो

पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की 100वीं जयंती के शताब्दी समारोह को भाजपा 'सुशासन दिवस' के रूप में एक साल तक मनाएगी। इसके अलावा वीर बाल दिवस के मौके पर जिला से लेकर मंडलस्तर तक कार्यक्रम आयोजित होगें। यह जानकारी देते हुए जिला अध्यक्ष राजू बाथम ने कहा कि देश अटल बिहारी वाजपेयी के योगदान को भूल नहीं सकता। इस बार उनकी 100वीं जयंती है, जिसे हम सभी शताब्दी वर्ष के रूप में मनाएंगे। भाजपा इसे सुशासन दिवस के रूप में मनाएगी। भाजपा कार्यालय पर आयोजित हुई बैठक में जिला अध्यक्ष बाथम ने कहा कि शताब्दी समारोह की शुरुआत 25 दिसंबर से होगी। इस दिन स्मृति सभा का आयोजन किया जाएगा जिसमें अटल बिहारी वाजपेई के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की जाएगी। युवा प्रतिभागी कविताओं का वाचन करेंगे साथ ही उनके योगदानों पर चर्चा कर पार्टी के वरिष्ठ कार्यकर्ता जिन्होंने अटल बिहारी वाजपेई के साथ काम किया है उनके कार्यकाल के समय सक्रिय रहे हैं उन्हें सम्मानित किया जाएगा। यह कार्यक्रम मंडल स्तर पर भी आयोजित होगा जिसमें प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत निर्मित किसी सड़क पर भाजपा के झंडे और तख्ती लेकर एक दो किलोमीटर कि सुशासन यात्रा निकाली जाएगी। यात्रा के बाद चौपाल लगाकर अटल बिहारी वाजपेई की सरकार और मोदी सरकार की किसान कल्याण उपलब्धि एवं योजनाओं के साथ-साथ विकास कार्यों से क्षेत्र में आए सुधार पर चर्चा की जाएगी। जिला स्तर पर प्रदर्शनी लगाई जाएगी।

26 दिसंबर को मंडल स्तर पर विशेष सभा का आयोजन होगा साथ ही सामूहिक रूप से स्थानीय गुरुद्वारा में जाकर शब्द कीर्तन, प्रभात फेरी, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, जिला स्तर पर बौद्धिक संगोष्ठी के साथ विद्यालय एवं महाविद्यालय में साहब जादों के बलिदान को लेकर विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम, विचार गोष्ठी व भाषण प्रतियोगिता का आयोजन होगा। इस अवसर पर पूर्व विधायक ओमप्रकाश खटीक प्रदेश का समझी सदस्य हरवीर रघुवंशी केशव सिंह तोमर, महामंत्री पृथ्वीराज जादौन, उपाध्यक्ष हेमंत ओझा, मंत्री मुकेश चौहान, नगर पालिका अध्यक्ष गायत्री शर्मा, जिला पंचायत अध्यक्ष नेहा यादव सहित कार्यकर्ता व पदाधिकारी मौजूद रहे।

आयोजन मनाने की गई नियुक्तियां

इन आयोजनों को मनाए जाने के लिए भाजपा ने संयोजकों सहसंयोजक की नियुक्ति की है जिसमें सुशासन दिवस के लिए संयोजक महामंत्री पृथ्वीराज जादौन व सह संयोजक उपाध्यक्ष पवन जैन, मंत्री मुकेश चौहान को बनाया गया है। इसी तरह वीर बाल दिवस कार्यक्रम के संयोजक उपाध्यक्ष हेमंत ओझा व सह प्रभारी वीरेंद्र शिवहरे एवं शैलजा लवंगीकर को बनाया गया है।

प्रतियोगिताओं का भी होगा आयोजन

इस दिन अटल जन्म शताब्दी के लिए लोगो प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी प्रतिभागी अपना लोगो डिजाइन अभियान वेबसाइट के माध्यम से जमा कर प्रतियोगिता में भाग लेंगे विजेता के डिजाइन को अभियान लोगों के रूप में प्रयोग किया जाएगा।

अग्रवाल, वैश्य, युवक-युवती परिचय सम्मेलन आज शगुन वाटिका में

शिवपुरी, ब्यूरो

वैश्य समाज के विभिन्न घटकों को एक मंच पर लाने के लिए अखिल भारतीय अग्रवाल वैश्य परिचय सम्मेलन कार्यक्रम का आयोजन आज 22 दिसम्बर को स्थानीय शगुन वाटिका परिसर में आयोजित होने जा रहा है। जिसमें अधिक से अधिक संख्या में विवाह योग्य युवक-युवतियों के पंजीयन हों इसे लेकर अभा अग्रवाल वैश्य परिचय सम्मेलन के द्वारा रजिस्ट्रेशन के साथ फार्म जमा कराए गए जिससे सुसज्जित स्मारिका मधुर संगम का आज विमोचन भी अतिथियों के द्वारा किया जाएगा। अ.भा. अग्रवाल, वैश्य, परिचय सम्मेलन के संयोजक मोहन मधुर ने जानकारी देते हुए बताया कि आज 22 दिसम्बर रविवार को स्थानीय शगुन वाटिका नवग्रह मंदिर पर विशाल युवक युवती परिचय सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर प्रकाशित होने वाली स्मारिका मधुर संगम में प्रत्याशियों के फोटो सहित बायोडाटा प्रकाशित किए गए है, जिसमें ऐसे विवाह योग्य युवक-युवती अपना परिचय देने के लिए पूर्व में ही फार्म जमा कर अपना बायोडाटा प्रदान कर चुके है उनके परिचय इस स्मारिका में प्रकाशित किए गए है जिसका विमोचन आज होने जा रहे युवक युवती परिचय सम्मेलन में सम्माननीय अतिथियों के द्वारा किया जाएगा। इस स्मारिका प्रकशन के माध्यम से ही घर बैठे सुयोग्य वर-वधु चुनने के सुअवसर का समाजजनों को प्राप्त हो सकेगा। अभा अग्रवाल परिचय सम्मेलन कार्यक्रम संयोजक मोहन मधुर गुप्ता ने बताया कि इस सम्मेलन में सभी प्रकार की प्रविष्टिया एकत्रित हुई है जिनमें हर आय, वर्ग एवं हर शिक्षा वर्ग के अलान विधवा, विद्युर, तलाक शुदा, दिव्यागं प्रत्याशियों के संबंध में तय करने में सुविधा मिल सकेगी। आज होने जा रहे युवक युवती परिचय सम्मेलन में कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक देवेंद्र जैन सहित अन्य गणमान्य अतिथि होंगे। कार्यक्रम में समस्त अग्रवाल,वैश्य समाज के समाज बंधुओं से अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने का आह्वान किया गया है।

विधायक देवेंद्र जैन होंगे मुख्य अतिथि, अन्य अतिथि भी रहेंगे मौजूद

जिला स्तरीय युवा उत्सव

जिले के कलाकारों को 07 विधाओं में मिलेगा अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर

शिवपुरी, ब्यूरो

खेल और युवा कल्याण विभाग से प्राप्त निर्देशानुसार वर्ष 2025 में 28वां राष्ट्रीय युवा महोत्सव का आयोजन युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रधानमंत्री की मंशानुसार पंच प्राण और आजादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में 15 से 29 वर्ष के आयु वर्ग के युवाओं की प्रतिभा को मंच प्रदान करने के उददेश्य से 12 से 15 जनवरी 2025 के मध्य नई दिल्ली में 28वां राष्ट्रीय युवा उत्सव का आयोजन किया जा रहा है। जिला स्तरीय युवा उत्सव का आयोजन शहरी व ग्रामीण क्षेत्र के कलाकारों को देश की विभिन्न पारंपरिक एवं सांस्कृतिक विधाओं के माध्यम से युवाओं को राष्ट्र की मुख्यधारा से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। युवा उत्सव में ग्रामीण व शहरी युवक-युवतियां कलाकार जिनकी आयु दिसम्बर 2024 को 15 से 29 वर्ष के मध्य हो वे ही भाग ले सकते है। युवा उत्सव की प्रारंभिक तैयारी बैठक दिनांक 23 दिसंबर को रखी गई है। इस वर्ष युवा उत्सव में 07 विधाओं यथा विज्ञान मेला (एकल), समूह लोक नृत्य, समूह लोक गायन, कविता लेखन, भाषण, पेंटिंग, कहानी लेखन को शामिल किया गया है। जिला खेल और युवा कल्याण अधिकारी डॉ. के.के. खरे ने जानकारी देते हुए बताया कि इस वर्ष शासन द्वारा जिला युवा उत्सव आयोजित किये जाने का निर्णय लिया गया है। इन विधाओं में चयनित कलाकार ग्वालियर में आयोजित संभाग स्तर पर आयोजित संभाग स्तरीय युवा में सहभागिता कर सकते है। कलाकारों को अपनी कला का प्रदर्शन करने हेतु अधिक से अधिक संख्या में सहभागिता करने हेतु अपील की है। ग्रामीण व शहरी कलाकार अपना पंजीयन सीधे कार्यक्रम स्थल पर पहुँचकर करवा सकते है। पंजीयन हेतु कलाकार को अपना नवीन पासपोर्ट साईज फोटो, आयु प प्रमाणीकरण हेतु मार्कशीट, मूलनिवासी प्रमाण पत्र, आधार कार्ड की छायाप्रति एवं मूल प्रमाण साथ में लाना अनिवार्य है। अधिक जानकारी के लिए कलाकार मोबाईल नं.- 9039964822, जयंत 9826203824 एवं कमल सिंह बाथम-9165919685 से सम्पर्क कर सकते है।

दून स्कूल में ध्यान शिविर का हुआ आयोजन

हार्टफुलनेस संस्था ने समझाए ध्यान के गुण

शिवपुरी, ब्यूरो

दून पब्लिक स्कूल में विश्व ध्यान दिवस पर ध्यान शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर हार्टफुलनेस संस्था के सहयोग से विद्यार्थियों को ध्यान के महत्व के बारे में बताया गया। स्कूल की संचालिका डॉक्टर खुशी खान ने कहा कि हमारा विद्यालय विद्यार्थियों में ध्यान की प्रवृत्ति बनाने के प्रयास करता रहा है। इस शिविर में विद्यार्थियों को मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर करने के लिए ध्यान व चिंतन को आवश्यक बताया गया। शिविर में हार्टफुलनेस संस्था से आई प्रशिक्षित प्रशिक्षिका श्रीमती अंजू गोयल और श्रीमती अनीता गोयल ने विद्यार्थियों को ध्यान के तरीकों के बारे में बताया और उन्हें ध्यान को अपनी दिनचर्या में शामिल करने का आग्रह किया। इस अवसर पर स्कूल के डायरेक्टर शाहिद खान ने भी विद्यार्थियों को संबोधित किया और उन्हें ध्यान के महत्व के बारे में बताया। शिविर का संचालन स्कूल शिक्षिका डॉक्टर अपेक्षा शर्मा द्वारा किया गया।

ढ़ेड़े मेड़े पैर वाले बच्चों के उपचार हेतु शिविर आज

शिवपुरी

भारतीय रेडक्रास सोसायटी व स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त तत्वाधान में ढेडे मेडे पैर वाले अर्थात क्लब फुट से ग्रसित बच्चों के उपचार हेतु निःशुल्क परीक्षण एवं उपचार शिविर का आयोजन 22 दिसम्बर 2024 को सुबह 11 बजे से 3 बजे तक राजमाता विजयाराजे सिंधिया परिसर रेडक्रास भवन अस्पताल चौराहे पर आयोजित किया गया है। शिविर में हितग्राहियों की कास्टिंग के अलावा निःशुल्क शूज भी प्रदान किए जाऐंगे। भारतीय रेडक्रास सोसायटी के जिला उपाध्यक्ष आलोक एम इन्दौरिया तथा सचिव समीर गांधी ने प्रेस को जारी विज्ञप्ति में बताया कि कलेक्टर रविन्द्र कुमार चौधरी के निर्देशानुसार भारतीय रेडक्रास सोसायटी विभिन्न रोगों से पीडित रोगियों के उपचार हेतु निःशुल्क शिविरों का आयोजन कर रही है जिससे जिले बासियों को बडी संख्या में लाभ प्राप्त हो रहा है। पिछले दिनों हदय रोग, श्रबण बाधित रोग व जनरल सर्जरी हेतु शिविरों का आयोजन किया गया था। जिसमें विभिन्न रोगों से ग्रसित लगभग 30 रोगियों की निःशुल्क सर्जरी प्रदेश के ख्याती प्राप्त चिकित्सालयों में हो चुकी है। इसी क्रम में ढेडे मेडे पैर वाले बच्चों के उपचार हेतु शिविर का आयोजन 22 दिसम्बर 2024 को सुबह 11 बजे से राजमाता विजया राजे सिंधिया परिसर अस्पताल चौराहा शिवपुरी पर किया गया है।

विश्व ध्यान दिवस के अवसर पर मप्र जन अभियान परिषद योजना

विकासखंड शिवपुरी के कई ग्रामों में हुआ ध्यान शिविरों का आयोजन

शिवपुरी, ब्यूरो

विश्व ध्यान दिवस के अवसर पर म प्र जन अभियान परिषद योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग म प्र शासन विकासखण्ड शिवपुरी अंतर्गत 05 सेक्टर के विभिन्न ग्रामों में हार्टफुलनेस के सहयोग से ध्यान सत्र का आयोजन किया गया।विश्व ध्यान दिवस के अवसर पर जानकारी देते हुए विकासखंड समन्वयक शिवपुरी शिशुपाल सिंह जादौन ने सिरसोद सेक्टर अंतर्गत आयोजित ध्यान सत्र में बताया की विकासखंड शिवपुरी में जिला समन्वयक डॉ रीना शर्मा के मार्गदर्शन में विकासखंड अंतर्गत सभी प्रस्फुटन ग्रामों में हार्टफुलनेस संस्था के साथ प्रस्फुटन समितियो, नवांकुर संस्थाओं तथा सीएमसीएलडीपी छात्रों एवम मेंटर्स के सहयोग से ध्यान सत्र का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में सतनबाड़ा सेक्टर के ग्राम कांकर, सतनबाडा में आयोजित ध्यान सत्र में हार्टफुलनेस संस्था शिवपुरी से आए प्रशिक्षकों द्वारा विश्व ध्यान दिवस के अवसर पर ग्रामीणों को ध्यान का प्रशिक्षण दिया गया।ध्यान, योग और प्रार्थना का हमारे जीवन में बहुत ही महत्वपूर्ण स्थान है । मानसिक शांति के साथ स्वस्थ जीवन के लिए ध्यान अति आवश्यक हैं। इसी प्रकार सिरसौद सेक्टर में नवांकुर संस्था जतन उजाला सेवा संस्था, पिपरसमा सेक्टर में नेहरू युवा मंडल इटमा, सुरवाया सेक्टर में ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति बुडीबरोद, एवम मुड़ेरी सेक्टर अंतर्गत ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति बड़ागांव के सहयोग से सभी प्रस्फुटन ग्रामों में ध्यान सत्र का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सतनबाड़ा सरपंच दिनेश चौधरी, कांकर सरपंच शिशुपाल धाकड़, रमेश सेन, रामनरेश रावत, अशोक शर्मा,चंदन सिंह धाकड़,उत्तम धाकड़, धीरेंद्र राजपुत, वीरेंद्र रावत, मुकेश शाक्य, सलोनी शर्मा विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम में प्रस्फुटन समितियां,नवांकुर संस्था, सीएमसीएलडीपी छात्रों सहित ग्रामीणों द्वारा ध्यान सत्र में सहभागिता की गई।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुण श्रीवास्तव, द्वारा 51, सत्यदेव नगर गांधी रोड, ग्वालियर से मुद्रित एवं 27 बहार खाण्डे राव गेट गांधी भवन के सामने, झांसी से प्रकाशित , RNI No. UPHIN/2013/52735 स्थानीय संपादक तपस्वी श्रीवास्तव मो. 8518882202, फोन. 0510-2351835